साध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 12 ● अंकः 06 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शनिवार 7 फरवरी, 2026

मूल्य ₹ 3/-

हर सुनी-सुनाई बात पर यकीन मत करिए। एक कहानी के हमेशा तीन पहलू होते हैं। आपका, उनका और सच।
-ब्रह्माकुमारी शिवानी

भारत ने छठी बार जीता अंडर -19 विश्व कप... 7 | तमिलनाडु में जनता को लुभाने... 3 | अपराध की घटनाओं में यूपी देश... 2

पिक्चर तो बहाना है बस पंडितों को लुभाना है!

‘घूसखोर पंडित’ पिक्चर बन गयी राजनीतिक पोस्टर

» सभी सियासी दल मुखर
» यूपी में तो बात एफआईआर तक पहुंची

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश की राजनीति में शोर अक्सर मुद्दों पर नहीं होता। बल्कि शोर खुद मुद्दा बना दिया जाता है। इन दिनों कुछ ऐसा ही हो रहा है। एक फिल्म आयी है घुसखोर पंडित और इस नाम ने जैसे सत्ता के गलियारों में सायरन बजा दिया हो। फिल्मी विरोध, बयान और एफआईआर के साथ कुछ ऐसा नैरेटिव बनाने की कोशिश की जा रही है जो ब्रहमण समाजा को लुभा सके। सब कुछ एक साथ इतनी तेजी से हो रहा है कि पूछिये मत।

विरोध के स्वरों ने आसमान सर पर उठा रखा है। फिल्म के टाइटल को सीधे ब्रहमण समाज की अस्मिता से जोड़ा जा रहा है। यूपी में तो बात एफआईआर तक पहुंच चुकी है। बिना फिल्म को देखे, बिना फिल्म को जांचे। सवाल यही है कि क्या किसी फिल्म के टाइटल भर से किसी समाज को उस पहलू से देखना सही है। क्योंकि बालीवुड में इससे पहले इस तरह के टाइटल और आरोपों को लेकर दर्जनों ऐसी फिल्में बनी हैं और रिलीज की जा चुकी है। अब सवाल यही है कि जो प्रतिक्रिया खड़ी की जा रही है वह किसे साध रही है।

“आज की राजनीति ने समाज को खेमों में बांट दिया है। कहीं मुसलमान वोट बैंक हैं, कहीं ब्राह्मण। पर सच्चाई यह है कि दोनों ही सिर्फ इस्तेमाल हो रहे हैं। राजनीति के तराजू पर आज दोनों का वजन बराबर है। न सम्मान, न सुरक्षा, न न्याय। दोनों जानते हैं कि उन्हें गलत रास्ते पर मोड़ा गया है, लेकिन मजबूरी है कि आवाज उठाएं तो अकेले पड़ जाते हैं। अब वक्त है समझने का। लड़ाई जाति-धर्म की नहीं, हक, सम्मान और इंसाफ़ की है।

शेखर दीक्षित , अध्यक्ष राष्ट्रीय किसान मंच

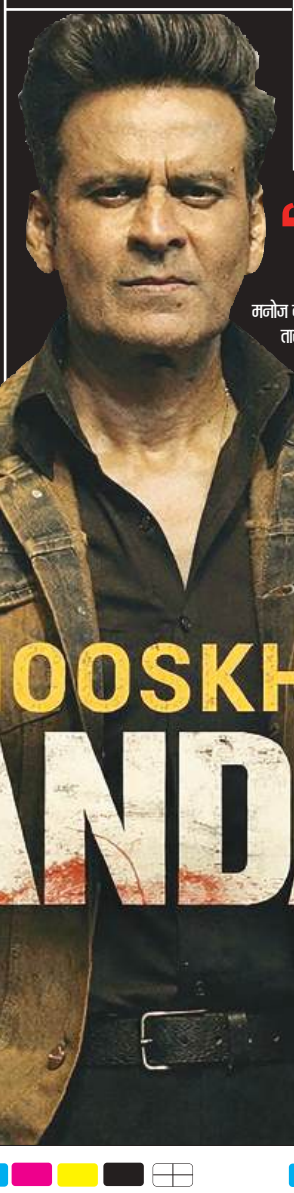

क्या क्या न हुआ... आप की खातिर?

याद कीजिए जब एक शंकराचार्य से कथित बदसलूकी की खबरें आयीं जब भक्तों के साथ मारपीट और चोटी पकड़कर घसीटने जैसे आरोप सामने आए तब सत्ता का स्वर संयत रहा। मणिकर्णिका घाट को लेकर गंभीर आरोप लगे पर कार्रवाई पर बहस ने उतनी रफ्तार नहीं पकड़ी। ब्राह्मण विधायकों की बैठकों के बाद नाराजगी की खबरें तैरती रहीं पर सत्ता ने उसे प्रशासनिक शोर कहकर टाल दिया। ब्राह्मण नेताओं पर कार्रवाइयों की चर्चा हुई पर व्यापक संवाद नहीं दिखा। लेकिन अचानक एक फिल्म के शीर्षक से ऐसा रायता फैला कि पूरा नैरेटिव ही बदल गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कहा जा रहा है कि फिल्मी मुद्दे पर सूबे के मुख्यमंत्री के स्तर से एफआईआर की बात सामने आई। मीडिया रिपोर्ट्स ने इसे असाधारण बताया। यह असाधारणता इसलिए भी चौंकाती है क्योंकि जिन मामलों में सामाजिक संवेदनशीलता और धार्मिक मर्यादा का सवाल उठता रहा है वहा प्रतिक्रिया संयमित रही लेकिन यहां राज्य की पूरी मशीनरी जागती दिखी।

‘मनोज बाजपेयी के बहाने कला की आजादी पर बहस’

मनोज बाजपेयी के अभिनय की जितनी तारीफ की जाए, सच में उतनी कम है। उन्होंने सिर्फ किरदार नहीं निभाए, बल्कि उन्हें जीया है। सत्या का भीखू म्हात्रे हो, शूल का समर्पित पुलिस अफसर, अलीगढ़ का मौन और पीड़ित प्रोफेसर, या भोंसले का अकेला बूढ़ा आदमी। हर भूमिका में उन्होंने अभिनय की परिभाषा बदल दी। उनकी कला के लिए उन्हें राष्ट्रीय पुरस्कारों से लेकर पद्मश्री तक सम्मानित किया जा चुका है। लेकिन पिछले दो दिनों से एक फिल्म के शीर्षक को लेकर उनका नाम विवाद में घसीटा जा रहा है। जबकि एक अभिनेता का काम सिर्फ अभिनय करना होता है। कहानी, शीर्षक, प्रस्तुति ,यह सब एक बड़ी रचनात्मक प्रक्रिया का हिस्सा होते हैं। किसी किरदार के नाम या संदर्भ को लेकर अभिनेता को कठघरे में खड़ा कर देना कहीं न कहीं रचनात्मक स्वतंत्रता पर चोट है। बीते समय की फिल्मों को याद कीजिए कितनी ही फिल्मों में ठाकुर शब्द का इस्तेमाल विलेन के लिए हुआ। तब किसी ने इसे जातिगत अपमान नहीं माना।

समाज ने समझा कि वह एक किरदार है, एक कथा का हिस्सा है। आज हम इतने असहिष्णु क्यों हो रहे हैं ! मैं स्वयं ब्राह्मण हूँ, लेकिन मेरी भावनाएं आहत नहीं हुई। मेरा मानना है कि कोई भी धर्म या जाति इतनी संकुचित नहीं होनी चाहिए कि कल्पना और कहानी से भी डर जाए। कला समाज का आईना है, और आईने को तोड़ देने से सच्चाई नहीं बदलती। जरा-जरा सी बात पर एफआईआर दर्ज होना, कलाकारों और फिल्मकारों के मन में डर पैदा करता है। इससे रचनात्मकता सिमटती है, साहस घटता है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि सिनेमा सिर्फ मनोरंजन नहीं, विचार और संवाद का माध्यम भी है। और अब जब NetFlix ने खुद स्पष्ट कर दिया है कि यह एक काल्पनिक चरित्र का नाम है और उन्होंने सोशल मीडिया सामग्री भी हटा दी है, तो इस विवाद को यहीं समाप्त मान लेना चाहिए। आगे बढ़ना ही बेहतर है। सबसे अहम बात यदि आप कभी मनोज जी से मिलेंगे, तो पाएंगे कि वे एक महान अभिनेता ही नहीं, उससे कहीं बेहतर इंसान हैं। जब मैं उनसे मिला, घंटों की बातचीत में मैंने उनके भीतर की संवेदनशीलता, विनम्रता और गहराई को महसूस किया। इतनी सफलता के बावजूद उनमें अहंकार का नामोनिशान नहीं है। ऐसे कलाकार के साथ खड़ा होना सिर्फ एक अभिनेता का समर्थन करना नहीं, बल्कि कला, अभिव्यक्ति और संवेदनशील समाज के पक्ष में खड़ा होना है। मनोज जी, आप अभिनय के शिखर पर हैं और इंसानियत में उससे भी ऊंचे।

पहले भी बना है सिनेमा पहले भी बने हैं प्रतीक

भारतीय सिनेमा में जात्रि वर्ग और पहचान पर फिल्में पहली बार नहीं बनी है। इससे पूर्व में भी दलित उत्पीड़न, पिछड़ी जातियों की पीड़ा, और अल्पसंख्यकों की पहचान को लेकर बनी फिल्मों ने बहसें भी पैदा कीं और विरोध भी हुए। पर अधिकतर मामलों में सत्ता ने दूरी बनाए रखी। कभी अभिव्यक्ति की आजादी का हवाला देकर तो कभी कानून-व्यवस्था के सहारे सत्ता ने इस तरह की कंट्रोवर्सी से खुद को अलग रखा। लेकिन इस बार नजारा अलग है और लोग पूछ रहे हैं कि तो यहां अपवाद क्यों? क्यों इस बार सत्ता खुद फ्रेम में उतर आयी है? राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि जब किसी समुदाय के भीतर असंतोष की बातें उठने लगती हैं तो सत्ता हमदर्दी का नैरेटिव गढ़ती है। पहले असंतोष की खबरें फिर प्रतीकात्मक मुद्दा और अंत में संरक्षण का संदेश। यह रणनीति नई नहीं है लेकिन नया है इसका टाइमिंग और तीव्रता।

फिल्म कला की आजादी का हिस्सा

फिल्मकारों का तर्क रहता है कि शीर्षक और कथा कला की आजादी का हिस्सा हैं। विरोध करने वालों का कहना होता है कि इससे भावनाएं आहत होती हैं। सवाल यह नहीं कि कौन सही है सवाल यह है कि राज्य किसके साथ खड़ा दिखता है। जब सत्ता एक तरफ खुलकर खड़ी होती है तो बहस कला बनाम भावना से आगे जाकर राजनीति बन जाती है। घुसखोर पंडित एक फिल्म हो सकती है लेकिन उस पर खड़ा नैरेटिव सियासी पोस्टर बन चुका है। यह पोस्टर बताता है कि कैसे शोर पैदा कर भावनाएं साधी जाती हैं और कैसे चुप्पी से कठिन सवालों को टाल दिया जाता है। पूरी प्रष्ठभूमि में कौन सही है और कौन गलत से ज्यादा यह कहना उपयुक्त है कि जब सिनेमा सत्ता का औजार बन जाए तो फिल्म से ज्यादा राजनीति देखने लायक हो जाती है। तो क्या यह माना जाए कि पिक्चर तो बहाना है बस पंडितों को लुभाना है। समाजिक विश्लेषक डीके त्रिपाठी कहते हैं कि जब ब्राह्मण समाज से जुड़े बड़े आरोपों और बड़ी कार्रवाइयों पर सत्ता चुप रही तब एक फिल्मी शीर्षक को लेकर पूरी ब्रादरी की अस्मिता के नैरेटिव को गढ़ना मुनासिब नहीं लगात। वह कहते है कि क्या कुछ लोगों के विरोध को पूरे समाज का विरोध बताकर हमदर्दी का राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश हो रही है?

अपराध की घटनाओं में यूपी देश में सबसे ऊपर

सपा प्रमुख अखिलेश यादव बोले- भाजपा सरकार ने उत्तर प्रदेश को बर्बाद किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार पर फिर हमला बोला है। उन्होंने कहा उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था को बर्बाद है। हत्या, लूट, बलात्कार, ठगी, अपहरण की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। कानून व्यवस्था पर सरकार का जीरो टॉलरेंस का दावा जीरो हो चुका है।

महिलाओं और बच्चियों के साथ अपराध की घटनाओं में उत्तर प्रदेश देश में सबसे ऊपर हो गया है। राजधानी लखनऊ में ही हर दिन अपराध की कई कई घटनाएं हो रही हैं। पूरे प्रदेश की हालत बेहद खराब है। हाथरस में एनएच 93 पर बदमाशों ने सेना के जवान अखिलेश चौधरी को दिनदहाड़े गोलियों से छलनी कर दिया।

राजधानी के सरोजिनी नगर थाना क्षेत्र में थार सवार बदमाशों ने युवक को अगवा कर लूट लिया। गोमती नगर में बाइक सवार बदमाशों ने महिला का पर्स लूट लिया। पिछले दो सालों में उत्तर प्रदेश में 108300 लोग गायब हो चुके हैं। इनकी गुमशुदा होने की रिपोर्ट दर्ज हैं लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल रही है। इधर उत्तर प्रदेश में अपहरण की कई घटनाएं हो चुकी हैं। भाजपा सरकार के पास झूठे आंकड़ों और लफ्फाजी के सिवाय कुछ नहीं है।

चीनी मांझे को लेकर सपा प्रमुख दिखे चिंतित

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने चाइनीज मांझे को लेकर वीडियो साझा कर चिंता जताई है। यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब यूपी सरकार ने चाइनीज मांझे से मौत होने पर हत्या का मामला दर्ज करने का फैसला लिया है। यह मुद्दा एक बार फिर सुर्खियों में है।(सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने शनिवार को एक्स अकाउंट से एक वीडियो शेयर किया। जिसमें लिखा- ये जो कटी पतंग पीछे के घर से आकर गिरी है, उसमें तो चीनी मांझा लगा दिख रहा है। दरअसल, यूपी सरकार ने खतरनाक चाइनीज मांझे के इस्तेमाल और बिक्री को लेकर सख्त फैसला लिया है। जिसके तहत अब चाइनीज मांझे से किसी व्यक्ति की जान जाती है, तो इसे हत्या का मामला माना जाएगा। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि चीनी मांझे से होने वाली मौतें सामान्य दुर्घटना नहीं, बल्कि हत्या जैसी गंभीर घटनाएं हैं। इसलिए इसमें शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

एसपी व आईएएस भी हो रहे गायब

अखिलेश यादव ने कहा कि जिस भाजपा राज में एसपी फरार हो गया हो और एक ऐसा आईएएस भी जो निवेश के नाम पर पांच फीसदी एडवांस लेता था वह भी गायब है तो किसी अन्य गुमशुदा का कौन ढूंढ सकता है? भाजपा की सरकार को भी लापता की लिस्ट में डाल देना चाहिए। उत्तर प्रदेश में कोई भी सुरक्षित नहीं है। भाजपा सरकार ने पूरे शासन तंत्र को भ्रष्ट और बर्बाद कर दिया है। आम जनता, महिलाओं, बच्चों दलितों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों की सुरक्षा भगवान भरोसे है।

ट्रेड डील भारत के लिए काला दिन : संजय सिंह

राज्यसभा सांसद बोले- मोदी ने देश का स्वाभिमान गिरवी रख दिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने केंद्र की मोदी सरकार पर फिर तीखा हमला बोला है। अमेरिका के साथ हुई कथित ट्रेड डील को देश, किसानों और आम जनता के खिलाफ बताया। सांसद संजय सिंह ने इसे भारत के लिए काला दिन करार देते हुए कहा कि मोदी सरकार ने अमेरिका के आगे झुककर देश का स्वाभिमान गिरवी रख दिया है। महंगाई व किसान बर्बादी की नींव डाल दी है।

उन्होंने कहा कि इस डील की सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि इसकी जानकारी भारत सरकार की ओर से नहीं, बल्कि अमेरिका के राष्ट्रपति के ट्वीट के जरिए सामने आई। इससे यह साफ हो गया है कि भारत की आर्थिक और नीतिगत फैसले अब वॉशिंगटन से तय हो रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या अब भारत सरकार देश को फैसले बताने की स्थिति में भी नहीं रही ?सांसद ने आरोप लगाया कि अमेरिका के राष्ट्रपति ने सार्वजनिक रूप से घोषणा की है कि भारत अब रूस से तेल नहीं खरीदेगा, बल्कि अमेरिका और वेनेजुएला से तेल खरीदेगा। संजय सिंह के मुताबिक, यह फैसला पूरी तरह देशहित के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि वेनेजुएला का तेल घटिया गुणवत्ता वाला होता है, जिसे रिफाइन करने में ज्यादा लागत आती है, जबकि अमेरिका का तेल रूस की तुलना में कहीं अधिक महंगा है। इसका सीधा असर आम जनता पर पड़ेगा और पेट्रोल-डीजल से लेकर रोजमर्रा की जरूरत की हर चीज महंगी हो जाएगी।

देश में मुस्लिमों व अल्पसंख्यकों की हालात दयनीय : मायावती

संगठन और चुनावी तैयारी पर मंथन, बसपा ने पूर्व की सरकारों को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा प्रमुख ने भाजपा समेत पूर्व की सरकारों पर तीखा प्रहार किया। बसपा प्रमुमख ने कहा कि देश में मुस्लिमों व अल्पसंख्यकों की हालात दयनीय है। बता दें बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर अपनी संगठनात्मक और चुनावी तैयारियां तेज कर दी हैं।

मायावती आज लखनऊ स्थित कार्यालय में समीक्षा बैठक कर रही है, जिसमें प्रदेशभर से पार्टी पदाधिकारियों को बुलाया गया है। गरीबों, दलितों, शोषितों, वंचितों, मुस्लिमों व अन्य अल्पसंख्यकों के साथ व्यापारियों, किसानों की हालात दयनीय रही। केंद्र व राज्यों में पूर्व व वर्तमान सरकार में भी इन सभी पर ध्यान नहीं दिया गया। केंद्र व राज्यों की अधिकांश सरकारें जनहित के मुद्दों पर ध्यान देने के बजाय जाति और धर्म की आड़ में राजनीति चमकाने में लगी रहती है। इससे समाज में नफरत की भावना पैदा हो रही है। जो देश हित में नहीं है।

एसआईआर की वजह से पार्टी के काम प्रभावित

मायावती ने कहा, एसआईआर की वजह से पार्टी के काम प्रभावित हुए हैं। अब उन कार्यों को पूरा किया जाएगा। विरोधी पार्टियों द्वारा बीएसपी को कमजोर करने के लिए रचे जा रहे षड्यंत्रों के बारे में पदाधिकारियों को सचेत किया जाएगा।

संसद में ड्रामा चल रहा

मायावती ने कहा, वर्तमान में संसद का सत्र भी चल रहा है, जिसमें पक्ष व विपक्ष देश की जानता के हित के मुद्दों के बजाय एक-दूसरे को नीचा दिखाने में लगे हैं। इस बार उनका घटिया ड्रामा व खेल चल रहा है तो ये दुर्भाग्यपूर्ण है। जबकि इन दोनों को भारतीय संविधान की गरिमा का ध्यान रखना चाहिए। नियमों पर अमल करना चाहिए वर्तमान में टैरिफ व ऐसे कई मुद्दे हैं, जिन पर संसद में स्थिति स्पष्ट होनी चाहिए थी। लेकिन, इनकी आपसी लड़ाई के कारण इन सभी मुद्दों को दरकिनार कर दिया गया।

समय से होंगे पंचायत चुनाव : ओम प्रकाश

बोले मंत्री- असली पीडीए हम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पंचायत चुनाव को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। इस बीच यूपी सरकार में पंचायती राज मंत्री ओमप्रकाश राजभर का चुनाव को लेकर बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि यूपी में पंचायत चुनाव अपने सही समय पर होंगे, इसलिए इसे लेकर भ्रम की स्थिति पैदा करने की जरूरत नहीं है।

वहीं उन्होंने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर भी तीखा हमला किया। कैबिनेट मंत्री ने आगे कहा कि पंचायत चुनाव को लेकर एसआईआर की वजह से भ्रम हो रहा है, इसके बाद आगे बोर्ड परीक्षाएं हैं और फिर जनगणना का ऐलान है, इन सारी परिस्थितियों के कारण ही भ्रम पैदा हो रहा है लेकिन, पंचायत चुनाव उत्तर प्रदेश में अपने समय पर होंगे।राजभर ने इस दौरान समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव और उनके पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) का वोट काटे जाने के आरोप पर भी पलटवार किया। उन्होंने कहा कि असली पीडीए हम हैं। अखिलेश यादव को समाजवादी पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष नहीं होना चाहिए था, उनकी जगह शिवपाल यादव को अध्यक्ष बनना चाहिए था।

रांची मेयर चुनाव : जेएमएम, कांग्रेस और भाजपा में त्रिकोणीय मुकाबला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड में नगर निकाय चुनाव के तहत रांची नगर निगम के मेयर पद के लिए शुक्रवार को नाम वापसी की प्रक्रिया पूरी हो गई। स्क्रूटनी के बाद जहां कुल 19 प्रत्याशी चुनाव मैदान में थे, वहीं अंतिम तिथि तक 8 प्रत्याशियों ने अपना नामांकन वापस ले लिया। इसके बाद अब मेयर पद के लिए 11 प्रत्याशी शेष रह गए हैं।

हालांकि मैदान में 11 प्रत्याशी मौजूद हैं, लेकिन चुनावी संघर्ष मुख्य रूप से तीन प्रमुख राजनीतिक दलों भारतीय जनता पार्टी, कांग्रेस और झारखंड मुक्ति मोर्चा के बीच सिमटता दिखाई दे रहा है। भाजपा ने रोशनी खलखो को समर्थित प्रत्याशी बनाया है, कांग्रेस ने रमा खलखो को मैदान में उतारा है, जबकि झामुमो ने सुजीत विजय आनंद कुजूर को मेयर पद का उम्मीदवार घोषित किया है। मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों में मुकाबला रोशनी, रमा और सुजीत के बीच होने की संभावना जताई जा रही है। इस चुनाव में आजसू समर्थित प्रत्याशी सुरेंद्र लिंडा भी मैदान में बने हुए हैं। उनकी मौजूदगी से आदिवासी वोट बैंक को लेकर मुकाबला और दिलचस्प होने की उम्मीद जताई जा रही है। वहीं, नाम वापसी के बाद भाजपा के भीतर चल रही अंदरूनी खींचतान भी काफी हद तक शांत हो गई है। पार्टी लाइन से अलग चल रहे भाजपा से जुड़े राजेंद्र मुंडा, सुनील फकीरा कच्छप और संजय टोप्पो ने अपना नामांकन वापस लेकर पार्टी नेतृत्व को राहत दी है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

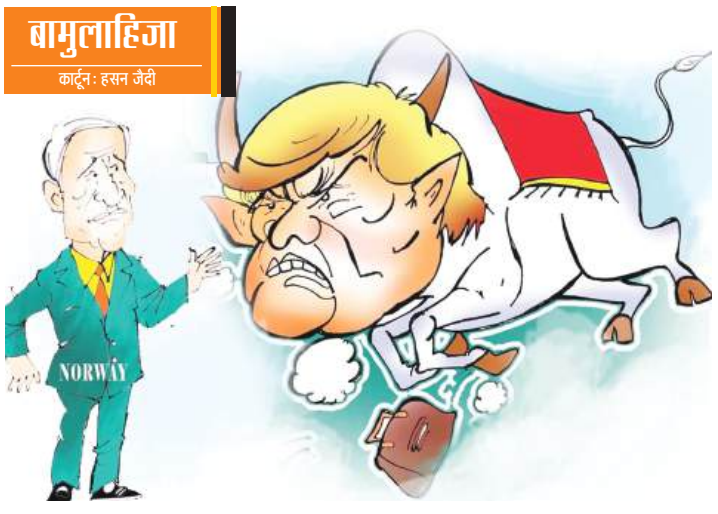

हार की समीक्षा करें तेजस्वी यादव : श्रेयसी सिंह

राजद को दी सलाह, सदन में विपक्ष न हों अमर्यादित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। सूचना प्रौद्योगिकी और खेल मंत्री श्रेयसी सिंह ने विपक्ष के विधायकों पर तंज कसा। साथ ही नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर भी अपनी बात कही। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जब सदन में बोलने लगते हैं तो उस समय विपक्ष का रवैया सही नहीं लगता है। वेलोग अमर्यादित हो जाते हैं, जिसे देखकर ठीक नहीं लगता है। उनको ऐसे नहीं करना चाहिए।

श्रेयसी सिंह ने विपक्ष पर हमला करते हुए कहा कि पिछली सरकार में विपक्ष में बैठे विधायकों की संख्या ऐसी थी कि सारी सीटें भरी लगती थी, लेकिन अब की तस्वीर देख लीजिए। अब तो देखकर लगता है कि वेलोग एक ब्लॉक में सिमट कर रह गए हैं। उनकी संख्या सिमट गई है। खेल मंत्री श्रेयसी सिंह ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को सलाह देते हुए कहा कि उनको तो सबसे पहले इस बात का चिंतन करना चाहिए कि हमारी संख्या कम होकर सिमट क्यों गई है? उनको इस बात की समीक्षा करनी चाहिए, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। श्रेयसी सिंह ने कहा कि तेजस्वी यादव को जब समीक्षा करनी थी तो उस समय वह विदेश यात्रा कर रहे थे। उनको जब समीक्षा करनी थी तो उस समय वह विदेश यात्रा कर रहे थे। विदेश से लौटने के बाद वह कैसे अध्यक्ष बन गये, आश्चर्य है। उन्होंने कहा कि अब मुझे नहीं लगता है कि जनता तेजस्वी यादव को दुबारा अपना समर्थन देगी। श्रेयसी सिंह ने कहा कि हमलोग उस पार्टी से आते हैं जो पूरे साल काम करती है, ऐसे में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को भी अपनी हार की समीक्षा करनी चाहिए।

तमिलनाडु में जनता को लुभाने में जुटे सभी दल, बोले-सवारेंगे कल

डीएमके सरकार की लोकलुभावन वादों की भरमार

एआईडीएमके ने घोषणाओं का पुलिंदा दिया

» डीएमके सरकार की लोकलुभावन वादों की भरमार

» भाजपा- कांग्रेस गठबंधनों को मजबूती देने में जुटीं

4पीएम न्यूज नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु में विस चुनावों के लिए सभी दलों ने कमर कस ली है। जहां डीएमके सरकार लोकलुभावन घोषणाओं से जनता को मोहकर फिर से सत्ता पाना चाहती है वहीं बीजेपी आईएडीएमके ने 2026 तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए सामाजिक सुरक्षा पेंशन को 2,000 करने, शिक्षा ऋण माफ करने और मुफ्त एलपीजी सिलेंडर देने जैसे प्रमुख वादों की घोषणा की है, जिसका लक्ष्य विभिन्न मतदाता वर्गों को साधना है। पार्टी ने पारंपरिक खेल जल्लीकट्टू के लिए भी बड़े वित्तीय समर्थन और नियमों में बदलाव का आश्वासन दिया है।

उधर कांग्रेस व डीएमके सीटों के बटवारे को लेकर माथा-पच्ची में जुटे हैं। डीएमके सांसद कनिमोझी करुणानिधि ने आगामी तमिलनाडु चुनावों के लिए कांग्रेस के साथ गठबंधन वार्ता की पुष्टि की है, हालांकि सीटों की संख्या पर अंतिम निर्णय वार्ता समिति द्वारा लिया जाएगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि गठबंधन में किसी भी नए दल के शामिल होने की घोषणा मुख्यमंत्री करेंगे। उधर एआईएडीएमके से निष्कासित नेता वी.के. शशिकला ने केंद्रीय बजट को निराशाजनक बताते हुए तमिलनाडु की डीएमके सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आयकर स्लैब में बदलाव न होने की आलोचना करते हुए राज्य में वंशवादी शासन को समाप्त कर एमजीआर-जयललिता के शासन को पुन: स्थापित करने का संकल्प लिया।

डीएमके सांसद कनिमोझी करुणानिधि ने संभाला मोर्चा

द्रविड़ मुन्नेत्र कजगम (डीएमके) की सांसद कनिमोझी करुणानिधि ने चेन्नई स्थित पार्टी मुख्यालय अरिवलयम में पार्टी की चुनाव घोषणापत्र समिति की बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के साथ गठबंधन की बातचीत जारी है और निर्वाचन क्षेत्रों की संख्या पर निर्णय वार्ता समिति द्वारा लिया जाएगा। गठबंधन में शामिल होने वाली किसी भी नई पार्टी की घोषणा मुख्यमंत्री द्वारा की जाएगी। पत्रकारों से बात करते हुए कनिमोझी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के साथ गठबंधन की बातचीत चल रही है। निर्वाचन क्षेत्रों की संख्या को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई है। निर्वाचन क्षेत्रों की संख्या पर निर्णय वार्ता समिति द्वारा लिया जाएगा। यदि कोई नई पार्टी गठबंधन में शामिल होती है, तो मुख्यमंत्री इसकी घोषणा करेंगे। ये घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आए हैं जब तमिलनाडु में इस साल के पहले छह

महीनों में चुनाव होने वाले हैं, हालांकि भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) ने अभी तक आधिकारिक चुनाव कार्यक्रम की घोषणा नहीं की है। वहीं, तमिलनाडु विधानसभा की 234 सीटों में से डीएमके ने 2021 के विधानसभा चुनावों में 133 सीटें जीतीं। कांग्रेस ने 18, पीएमके ने 5, वीसीके ने 4 और अन्य दलों ने 8 सीटें जीतीं। इसके अलावा, कनिमोझी ने लोकसभा से आठ विपक्षी सांसदों के निलंबन को अस्वीकार्य बताते हुए मौजूदा बजट सत्र के दौरान इस कदम की आलोचना की। उन्होंने कहा कि संसद में सांसदों का निलंबन अस्वीकार्य है। एक दिन पहले, पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ 2020 के गतिरोध का विशेष रूप से उल्लेख करने पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के आग्रह के बाद सदन में हुए हंगामे के चलते आठ विपक्षी सांसदों को नियमों का उल्लंघन करने और कुर्सी पर कागज फेंकने के आरोप में लोकसभा से बजट सत्र के शेष समय के लिए निलंबित कर दिया गया था। निलंबित सांसदों में कांग्रेस सदस्य हिबी ईडन, अमरिंदर सिंह राजा वारिंग, मणिकम टैगोर, गुरजीत सिंह औजला, प्रशांत यदाओराव पाडोले, चमाला किरण कुमार रेड्डी और डीन कुरियाकोस के साथ-साथ सीपीआई (एम) सांसद एस वेंकटेशन भी शामिल हैं।

तमिलनाडु में एकमात्र शक्तिशाली गठबंधन एआईएडीएमके गठबंधन

तमिलनाडु की मौजूदा स्थिति पर बोलते हुए, एआईएडीएमके नेताओं ने कहा कि राज्य शर्म से सिर झुकाए है, और आरोप लगाया कि वहां यौन हिंसा की घटनाओं के बिना एक भी दिन नहीं गुजरता। पार्टी ने आगे दावा किया कि एआईएडीएमके के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन एक मजबूत गठबंधन है, और कहा कि तमिलनाडु में एकमात्र शक्तिशाली गठबंधन एआईएडीएमके गठबंधन है। एआईएडीएमके नेताओं ने विधानसभा चुनावों में पार्टी की ऐतिहासिक जीत का विश्वास व्यक्त किया। अभिनेता-राजनेता विजय पर टिप्पणी करते हुए, उन्होंने कहा कि विजय को वास्तविक राजनीतिक स्थिति का पता तभी चलेगा जब वे प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाग लेंगे।

खत्म होगा वंशवादी शासन, आएगी जनता की सरकार : शशी कला

ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कजगम (एआईएडीएमके) की निष्कासित अम्मा पेरावई शाखा की महासचिव वी.के. शशिकला ने केंद्रीय बजट पर निराशा व्यक्त करते हुए कहा कि व्यक्तिगत आयकर स्लैब में कोई बदलाव न होना जनता के लिए निराशाजनक है। चेन्नई के मरीना बीच स्थित पूर्व मुख्यमंत्री पेरागनर अन्ना के स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद शशिकला ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि तमिलनाडु की जनता अच्छी तरह जानती है कि गद्दार कौन हैं और असली विरोधी कौन हैं। शशिकला ने जोर देकर कहा कि उनका मुख्य उद्देश्य पुरची थलाइवर एमजीआर और पुरची थलाइवी जयललिता के शासन को वापस लाना है, जो पार्टी के पूर्व नेताओं की विरासत को दर्शाता है। उन्होंने कहा

कि मेरी योजना तमिलनाडु में पुरची थलाइवर और अम्मा द्वारा दिखाए गए मार्ग का अनुसरण करने की है। उन्होंने आगे कहा कि अपने 39 वर्षों के राजनीतिक अनुभव के साथ, वह डीएमके सरकार को हराने और सत्ता से बेदखल करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगी। उन्होंने दृढ़ता से कहा कि पुरची थलाइवर, पुरची थलाइवी और मेरे समर्पित पार्टी कार्यकर्ता मैदान में डटे रहेंगे। इससे पहले, शशिकला ने सत्ताधारी डीएमके पर तीखा हमला करते हुए दावा किया कि राज्य में वंशवादी शासन जल्द ही समाप्त हो जाएगा और उसकी जगह एक जनता की सरकार आएगी। उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि आप सभी को नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं। इस वर्ष तमिलनाडु में चल रहा वंशवादी शासन समाप्त होगा और जनता की सरकार का उदय होगा। डीएमके सरकार के सत्ता में आने के बाद से तिरुत्तानी हमले जैसी कई आपराधिक घटनाएं घटित हुई हैं। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री पुलिस विभाग के प्रभारी हैं, लेकिन उन्होंने अभी तक इस घटना पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। यह उनकी शासन क्षमता की कमी को दर्शाता है।

ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कजगम ने पांच चुनावी वादों की घोषणा की

ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कजगम ने 2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के लिए पांच चुनावी वादों की घोषणा की। पार्टी ने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों, विधवाओं, अविवाहित बुजुर्ग महिलाओं, पति द्वारा परित्यक्त महिलाओं, दिव्यांगजनों और ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को दी जा रही सामाजिक सुरक्षा पेंशन को 1,200 रुपये से बढ़ाकर 2,000 रुपये किया जाएगा। छात्रों और उनके अभिभावकों के कल्याण के लिए सरकार बैंकों से लिए गए शिक्षा ऋणों को माफ कर देगी। आजीविका सहायता के रूप में, चावल राशन कार्ड धारकों को प्रति वर्ष तीन एलपीजी गैस सिलेंडर निःशुल्क प्रदान किए जाएंगे, पार्टी ने यह वादा किया। पार्टी ने पारंपरिक तमिल खेल जल्लीकट्टू के लिए भी समर्थन का आश्वासन दिया। यह घोषणा की गई कि यदि बैलों को काबू करते समय किसी प्रतिभागी की मृत्यु हो जाती है, तो पीड़ित परिवार को 10 लाख रुपये और चोट लगने की स्थिति में 2 लाख रुपये का मुआवजा दिया जाएगा। सरकारी आदेशों द्वारा अनुमोदित स्थानों पर उत्साहपूर्वक जल्लीकट्टू प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए 5 लाख रुपये की सरकारी सब्सिडी प्रदान की जाएगी। जल्लीकट्टू प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए वर्तमान में अपनाई जा रही ऑनलाइन पंजीकरण प्रणाली को समाप्त कर दिया जाएगा और पूर्व की मैनुअल प्रक्रिया को पुनः स्थापित किया जाएगा। इस्लामी, ईसाई और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों की महिलाओं को स्वरोजगार शुरू करने में सक्षम बनाने के लिए ब्याज मुक्त ऋण प्रदान किए जाएंगे। इसके साथ ही, सहकारी बैंकों से दिव्यांगजनों द्वारा लिए गए ऋण माफ किए जाएंगे।

कांग्रेस पार्टी से टीवीके जुड़ने का इच्छुक

अभिनेता और राजनेता विजय के पिता एसए चंद्रशेखर ने कांग्रेस पार्टी से आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के लिए अपने बेटे की पार्टी, तमिलगा वेट्री कजगम (टीवीके) के साथ चुनावी समझौता करने का आग्रह किया है। चंद्रशेखर ने कहा कि इस तरह की साझेदारी से कांग्रेस को राज्य में अपनी पुरानी ताकत वापस पाने में मदद मिल सकती है। उनके अनुसार, टीवीके आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को समर्थन देने के लिए तैयार है। उन्होंने संकेत दिया कि समर्थन देने के संबंध में बातचीत चल रही है, हालांकि अभी तक कोई औपचारिक घोषणा नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का एक समृद्ध इतिहास और गौरवशाली विरासत है। विजय उन्हें समर्थन देने और उनकी पुरानी प्रतिष्ठा को वापस दिलाने के लिए तैयार हैं। अब कांग्रेस को इस अवसर का लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने बताया कि कई लोगों ने उनके बेटे को स्वतंत्र रूप से विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए प्रोत्साहित किया है, यह कहते हुए कि बिना किसी राजनीतिक गठबंधन के भी जीत उनकी मुट्ठी में होगी। उनके अनुसार, चुनावी राजनीति में विजय की संभावनाएं बेहद उज्ज्वल दिख रही हैं। इसी दौरान, अपने जनसंपर्क अभियान में विजय ने कई पार्टियों पर तीखे हमले किए। उन्होंने डीएमके को टीवीके का प्रमुख राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी बताया, एआईएडीएमके को वैचारिक विरोधी करार दिया और भाजपा को भी नहीं बख्शा। विजय ने विश्वासपूर्वक घोषणा की कि टीवीके सत्ता में आएगी और तमिलनाडु के विकास पथ में महत्वपूर्ण परिवर्तन लाएगी।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

पर्यावण के संरक्षण का सतत प्रयास जारी रखें

अरावली को बचाने को लेकर जिस तरह से आम जनता ने आवाज उठाई वैसे ही आगे भी उठाना होगा। ताकि सरकारें मनमानी न कर सकें। उधर बाघों की बढ़ती संख्या न केवल पर्यावरण बल्कि खाद्य श्रृंखला के हित में हैं। भारत के ही भौगोलिक क्षेत्र बाघों के लिए उपयुक्त हैं। यदि वाइल्ड लाइफ सेंचुरी में भी बाघ छोड़े जाए तो वहां की खाद्य श्रृंखला में भी सुधार होगा। आजकल इको टूरिज्म का चलन हैं। लोगों में जंगल घुमने का रोमांच हैं। अधिकांश वाइल्डलाइफ सेंचुरी में बाघ होंगे तो वहां के वन्य मानकों में भी वृद्धि होगी और जंगल की अवैध कटाई, अतिक्र मण, मानवीय हस्तक्षेप भी जंगल में कम होने लगेगा। बाघों की बढ़ती संख्या को बनाए रखने हेतु उनके रहवास का संरक्षण आवश्यक है। इसके लिए वन क्षेत्र का विस्तार, क्षतिग्रस्त वनों का पुनर्स्थापन और सुरक्षित वन्यजीव कॉरिडोर का विकास होना चाहिए। कोर एरिया के आसपास मजबूत बफर जोन बनाकर मानव हस्तक्षेप सीमित किया जाए। अवैध शिकार व जंगल कटाई पर सख्त नियंत्रण जरूरी है। साथ ही स्थानीय समुदाय की भागीदारी, शिकार प्रजातियों का संरक्षण और वैज्ञानिक प्रबंधन से बाघों का सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित किया जा सकता है।

बाघों की बढ़ती संख्या वन्यजीव संरक्षण की सफलता है, लेकिन इसके साथ उनके सुरक्षित रहवास की चुनौती भी जुड़ी है। इसके लिए मौजूदा टाइगर रिजर्व का विस्तार किया जाना चाहिए और नए वन क्षेत्र विकसित किए जाने चाहिए। रणथंभौर टाइगर रिजर्व और सरिस्का टाइगर रिजर्व जैसे क्षेत्रों में बफर जोन को मजबूत करना जरूरी है, ताकि मानव-वन्यजीव संघर्ष कम हो। जंगलों के बीच कॉरिडोर विकसित कर बाघों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करनी चाहिए। साथ ही, स्थानीय समुदायों की भागीदारी, वन संसाधनों का संतुलित उपयोग, अवैध शिकार पर सख्त निगरानी और पर्याप्त पानी-शिकार की उपलब्धता आवश्यक है। संरक्षण तभी सफल होगा जब विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाया जाए। बाघों की बढ़ती संख्या के साथ उनके संरक्षण और मानव-बाघ संघर्ष को कम करने के लिए बहुआयामी प्रयास आवश्यक हैं। इसके लिए आधुनिक निगरानी तकनीकों जैसे कैमरा ट्रैप, ड्रोन और सैटेलाइट इमेज का उपयोग किया जाना चाहिए। सख्त कानून प्रवर्तन, वन्यजीव गलियारों का निर्माण, अवैध शिकार व तस्करी पर नियंत्रण जरूरी है। साथ ही भोजन आधार (जैसे हिरण और जंगली सुअर) बढ़ाने, प्राकृतिक आवासों की रक्षा-बहाली, वनों की कटाई रोकने और जन-जागरूकता व वैज्ञानिक प्रबंधन पर विशेष ध्यान देना होगा। बाघों की बढ़ती संख्या नि:संदेह हमारे लिए खुशखबरी है किंतु इनके रहवास की जिम्मेदारी भी निभानी होगी।

लोगों में जंगल घुमने का रोमांच हैं। अधिकांश वाइल्डलाइफ सेंचुरी में बाघ होंगे तो वहां के वन्य मानकों में भी वृद्धि होगी और जंगल की अवैध कटाई, अतिक्रमण, मानवीय हस्तक्षेप भी जंगल में कम होने लगेगा। बाघों की बढ़ती संख्या को बनाए रखने हेतु उनके रहवास का संरक्षण आवश्यक है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

समग्र रणनीति व जागरूकता से रुकेगा जल प्रदूषण

दीपक कुमार शर्मा

बीते कुछ दशकों में भूजल का अत्यधिक दोहन और निरंतर प्रदूषण एक गंभीर स्वास्थ्य, सामाजिक और आर्थिक संकट का रूप ले चुका है। आज यह जल की गुणवत्ता, जनस्वास्थ्य और भावी पीढ़ियों के जलाधिकार से सीधे जुड़ा हुआ मुद्दा बन चुका है। केंद्रीय भूजल बोर्ड द्वारा जारी वार्षिक भूजल गुणवत्ता रिपोर्ट 2025 के अनुसार, देश के कई राज्यों के जिलों के भूजल में विभिन्न रासायनिक प्रदूषकों की मात्रा निर्धारित मानकों से अधिक पाई जा रही है। रिपोर्ट के अनुसार, इसमें लवणता, फ्लोराइड, यूरेनियम, नाइट्रेट, आयरन और आर्सेनिक जैसे तत्व निर्धारित सीमा से ऊपर दर्ज किए गए हैं। ये आंकड़े नागरिकों के स्वास्थ्य, जीवन-गुणवत्ता और भविष्य से जुड़े गंभीर संकेत हैं। हरियाणा में सिंचाई के लिए 85 प्रतिशत से अधिक जल भूमिगत स्रोतों से प्राप्त किया जाता है।

रिपोर्ट के अनुसार, हरियाणा के कई जिलों में फ्लोराइड, नाइट्रेट, आयरन और यूरेनियम जैसे प्रदूषकों की मात्रा सुरक्षित मानकों से अधिक पाई गई है। विशेष रूप से, फ्लोराइड की अधिकता राज्य के अनेक जिलों में दंत फ्लोरोसिस और अस्थि फ्लोरोसिस जैसी गंभीर बीमारियों की आशंका को बढ़ाती है। नाइट्रेट की अधिकता शिशुओं में 'ब्लू बेबी सिंड्रोम' जैसी जानलेवा स्थिति उत्पन्न कर सकती है, जबकि यूरेनियम और आर्सेनिक दीर्घकालिक रूप से गुर्दे, हड्डियों और तंत्रिका तंत्र पर प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं। कृषि क्षेत्र में रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का अत्यधिक और असंतुलित प्रयोग, औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाले अपशिष्टों का अपर्याप्त उपचार, शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में सीवेज प्रबंधन की कमजोर व्यवस्था तथा वर्षाजल के प्राकृतिक पुनर्भरण मार्गों का अवरुद्ध होना, भूजल की गुणवत्ता को लगातार नुकसान पहुंचा रहे हैं। हाल के वर्षों में मध्य प्रदेश के भोपाल में दूषित पेयजल की घटनाएं यह दर्शाती हैं कि जल गुणवत्ता की अनदेखी गंभीर मानवीय त्रासदी में बदल सकती है। जांच में पाया गया कि दूषित पानी के सेवन से कई लोगों की असमय मृत्यु की घटनाएं सामने आईं। यह देश के लिए एक चेतावनी है कि जल गुणवत्ता को केवल तकनीकी या कागजी प्रक्रिया मानकर नहीं छोड़ा जा सकता।

यह घटना दर्शाती है कि जल प्रदूषण का प्रभाव अचानक और घातक रूप में सामने आ सकता है। जब तक समस्या दिखाई देती है, तब तक बहुत नुकसान हो चुका होता है। यही कारण है कि भूजल प्रदूषण को अब भविष्य का नहीं, बल्कि वर्तमान का संकट मानकर उससे निपटना होगा। सरकार द्वारा जल जीवन मिशन, अटल भूजल योजना और राष्ट्रीय जल

गुणवत्ता कार्यक्रम जैसी योजनाओं के माध्यम से इस दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास किए जा रहे हैं। आवश्यकता है कि इन योजनाओं को जल गुणवत्ता सुधार की समग्र रणनीति में बदला जाए। भूजल की नियमित और पारदर्शी निगरानी, प्रदूषण स्रोतों की वैज्ञानिक पहचान, स्थानीय स्तर पर जल उपचार संयंत्रों की स्थापना और वर्षाजल संचयन को प्रभावी रूप से लागू करना समय की मांग है।

हरियाणा के संदर्भ में जिला स्तर पर जल गुणवत्ता मानचित्रण, ग्राम पंचायतों को जल-गुणवत्ता आधारित स्वास्थ्य सूचकांकों से जोड़ना और विकेंद्रीकृत जल उपचार प्रणालियों को बढ़ावा देना आवश्यक है। जल एवं स्वच्छता सहायक संगठन जैसी संस्थाओं की भूमिका को और सशक्त कर सामुदायिक सहभागिता को मजबूत किया जा सकता है। जल रक्षक और जल प्रहरी जैसे स्थानीय स्वयंसेवकों की अवधारणा जल निगरानी और जागरूकता को जमीनी स्तर पर प्रभावी बना सकती है। वहीं यूरेनियम और आर्सेनिक जैसे तत्वों की भूगर्भीय उत्पत्ति, उनके प्रसार और स्वास्थ्य पर प्रभाव को समझने के लिए विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों को सक्रिय भूमिका निभानी होगी। हरियाणा के प्रत्येक जिले में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अंतर्गत जल गुणवत्ता परीक्षण की प्रयोगशालाएं पहले से कार्यरत हैं। इनकी क्षमता, नियमितता और जन-सुलभता को और सुदृढ़ किया जाए। जल परीक्षण सेवाओं को जन-जागरूकता, परामर्श और समयबद्ध सूचना प्रणाली से जोड़ा जाए, ताकि आम नागरिकों को गुणवत्ता की जानकारी मिल सके। इसके साथ ही प्रदूषित जल के विकल्प, उपचार उपाय और स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों के बारे में मार्गदर्शन प्राप्त हो सके।

इन प्रयोगशालाओं के आंकड़ों के आधार पर राज्य स्तर पर जल गुणवत्ता प्रवृत्ति विश्लेषण किया जाना चाहिए, जिससे नीतिगत निर्णय अधिक प्रभावी बन सकें। भूजल प्रदूषण को जनआंदोलन के माध्यम से ही स्थायी रूप से नियंत्रित किया जा सकता है। जब तक किसान उर्वरकों के संतुलित उपयोग को नहीं अपनाएंगे, उद्योग अपशिष्ट उपचार को गंभीरता से नहीं लेंगे, और नागरिक जल संरक्षण को अपनी दैनिक आदतों का हिस्सा नहीं बनाएंगे, तब तक यह समस्या बनी रहेगी। स्कूलों, पंचायतों, सामाजिक संगठनों और स्वयंसेवी संस्थाओं को जोड़कर जल गुणवत्ता पर आधारित व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाना समय की मांग है।

ट्रेड डील पर अमेरिकी किसान लॉबी का दबाव

पुष्परंजन

दिसंबर, 2025 के पहले हफ्ते की खबर जिन्हें याद नहीं, वो दोबारा से उसका स्मरण कर लें, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अमेरिका-चीन व्यापार तनाव में फंसे किसानों की सहायता के लिए लंबे समय से प्रतीक्षित 12 अरब अमेरिकी डॉलर के कृषि सहायता पैकेज की घोषणा की थी। इलिनोइस के सोयाबीन किसान जॉन बार्टमैन ने कहा था, कि यह सहायता 'ऊंट के मुंह में जीरा' के समान है। लेकिन, अब अमेरिकी किसान भारत में हुए टैरिफ डील से थोड़ी राहत महसूस कर रहे हैं। इस साल अमेरिका में मध्यावधि चुनाव है, किसानों का गुस्सा शांत नहीं हुआ, तो सारे किये-कराये पर पानी फिर जायेगा। यह महत्वपूर्ण चुनाव अभी 10 महीने दूर है, और असली प्रचार अभियान अगले महीने शुरू होगा, जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प अपना संबोधन देंगे।

मिडटर्म चुनाव नवंबर में राष्ट्रपति के कार्यकाल के बीच में होते हैं, और इनका नतीजा आमतौर पर यह होता है कि राष्ट्रपति की पार्टी अमेरिकी कांग्रेस में अपनी पकड़ खो देती है। पिछले 23 मिडटर्म चुनावों में, राष्ट्रपति की पार्टी ने हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में औसतन 27 सीटें और सीनेट में तीन सीटें गंवाई हैं। सिर्फ दो बार ही राष्ट्रपति की पार्टी दोनों सदनों में सीटें जीत पाई है। इसके दो कारण होते हैं। पहला, जो पार्टी सत्ता में नहीं होती इस मामले में, डेमोक्रेटिक पार्टी और उसके समर्थक आमतौर पर ज्यादा वोटिंग करवाने के लिए मोटिवेटेड होते हैं। दूसरा, राष्ट्रपति की अप्रूवल रेटिंग आमतौर पर ओवल ऑफिस के पहले दो वर्षों में कम हो जाती है, जैसा कि ट्रंप के साथ हुआ है, जो स्विंग वोटर्स और निराश वोटर्स को प्रभावित कर सकता है। वाशिंगटन डीसी स्थित कैपिटल ग्रुप के पोलिटिकल इकोनॉमिस्ट, मैट मिलर बताते हैं, 'रिपब्लिकन अभी सीनेट और हाउस दोनों पर बहुत कम अंतर से कंट्रोल रखते हैं। किसी भी सदन को खोने से अगले दो सालों में रिपब्लिकन द्वारा लाए गए किसी भी बड़े कानून को पास करने का कोई भी मौका खत्म हो जाएगा, और यह ट्रंप को उनके बाकी कार्यकाल के लिए डिफेंसिव मोड में डाल देगा।' 'कैपिटल ग्रुप' का काम वित्तीय परामर्श सेवाएं प्रदान करना है।

उसके पास विगत 90 वर्षों का डाटा उपलब्ध है। भारत और चीन की तरह, अमेरिका भी कृषि प्रधान देश है। इस वजह से कृषि पैदावारों के निर्यात ने एक ताकतवर किसान लॉबी खड़ी कर दी है। पिछले तीन दशकों में संयुक्त राज्य अमेरिका में कृषि भूमि के उपयोग में विविधता आई है, लेकिन मक्का, सोयाबीन, घास, गेहूं, कपास, ज्वार, जौ और चावल का दबदबा बाजार में बरकरार है। सोयाबीन, अमेरिका का नंबर वन कृषि उत्पाद है, जिसकी पैदावार 119.05 मिलियन मीट्रिक टन बताते हैं। लेकिन हाल ही में ब्राजील ने लगभग 123.6 मिलियन टन उत्पादन के साथ अमेरिका को पीछे छोड़ दिया है। उसकी वजह ट्रम्प की नीतियां रही हैं। अमेरिका, 53.85 मिलियन मीट्रिक टन गेहूं का उत्पादन करता है, जो दुनिया भर में चौथे स्थान पर है। संयुक्त राज्य अमेरिका एक ग्लोबल एग्रीकल्चरल पावरहाउस है, जो बड़ी मात्रा में फसलें और पशुधन पैदा करने के लिए एडवांस्ड मशीनीकृत खेती का इस्तेमाल करता है।

अमेरिकी कृषि क्षेत्र की खासियत ज्यादा पैदावार है, जिसमें कई तरह के फल और सब्जियां भी शामिल हैं। मक्का और सोयाबीन अमेरिका की दो सबसे बड़ी फसलें, और खेती की रीढ़ हैं। विगत डेढ़ वर्षों से इन दो फसलों को उगाने वाले किसानों को कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। मौसम में बदलाव, बढ़ते ऑपरेटिंग खर्च और कम अंतरराष्ट्रीय मांग, जो काफी हद तक टैरिफ के रूप में सरकारी नीति के कारण हैं, ने एक मुश्किल हालात पैदा कर दिए हैं। ट्रम्प प्रशासन संख्या नहीं बताता, मगर स्वीकार करता है, कि अमेरिकी किसानों में आत्महत्या की दर राष्ट्रीय स्तर से 3.5 गुना बढ़ी है। वर्ष 2023-24 में, चीन ने 13.2 अरब डॉलर के 24.9 मिलियन मीट्रिक टन सोयाबीन अमेरिका से खरीदा था, जिनका इस्तेमाल मुख्य रूप से अपने 427 मिलियन सूअरों के झुंड को खिलाने के लिए किया गया। अमेरिकी किसानों का दूसरा सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय सोयाबीन बाज़ार, मेक्सिको है। 2017 में ट्रम्प ने पहली बार टैरिफ लगाए थे, तब से फसल किसान सोयाबीन और मक्का निर्यात के लिए महत्वपूर्ण चीनी बाज़ार में गिरावट से जूझ रहे हैं। एग्रो इकोनॉमिक्स की समझ रखने वाले ब्रायन हार्बेज बोलते हैं, 'पिछले महीने रिपोर्ट आई कि सोयाबीन का निर्यात 20 साल के निचले स्तर पर पहुंच गया है। यह अमेरिकी किसानों के लिए बहुत बुरा है। अगर हम निर्यात नहीं कर सकते, तो स्टोरेज एक बड़ी समस्या है, हमारी फसल भी खराब होती है।

यह दोहरी मार है। वित्तीय चुनौतियों के बावजूद, कई लोग अमेरिकी राष्ट्रवाद के नाम पर अभी भी ट्रंप का समर्थन कर रहे हैं।' हालांकि, चीन ने 2034 तक अपने घरेलू सोयाबीन उत्पादन को 38 प्रतिशत बढ़ाने का वादा किया है। यह सूचना अमेरिकी सोयाबीन उत्पादकों के लिए सुखद नहीं है। इसलिए, भारत जैसे वैकल्पिक बाज़ार की तलाश में ट्रम्प प्रशासन लग चुका है। भारत में लगभग 13.05 मिलियन टन सोयाबीन का उत्पादन होता है, जिसमें से आधे से ज़्यादा उत्पादन अकेले मध्य प्रदेश में होता है। भारत में मक्के का उत्पादन लगभग 42 मिलियन टन है, जिसका 20 प्रतिशत फ्यूल-ग्रेड इथेनॉल बनाने में इस्तेमाल होता है। देश मक्के के उत्पादन में आत्मनिर्भर है, लेकिन खाने के तेल के लिए प्रोसेसिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी के कारण खाना पकाने के लिए सोया तेल आयात करता है।

वैलेंटाइन डे पर बनाएं हार्ट शेप पिज्जा

वैलेंटाइन वीक आते ही हर कोई अपने-अपने पार्टनर के साथ क्वालिटी टाइम व्यतीत करने की प्लानिंग करता है। लोग डिनर पर जाते हैं, मूवी डेट प्लान करते हैं, और अपने पार्टनर को स्पेशल फील कराते हैं। पर, कई कपल समय का अभाव होने की वजह से बाहर जाने का प्लान नहीं बना पाते। ऐसे में वो घर पर ही वैलेंटाइन डे सेलिब्रेट करते है। अगर आप भी कुछ ऐसा ही प्लान कर रही हैं तो ये खबर आपके लिए बेहद जरूरी है। दरअसल, आज हम आपको एक ऐसी डिश के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसको अपनी डेट पर बनाकर आप अपने पार्टनर को इंप्रेस कर सकते हैं। इस डिश को बनाकर आप अपने पार्टनर को उसके खास होने का एहसास दिला सकते हैं। खास बात ये है कि, अगर आप अपने व्यस्त समय से शेड्यूल निकालकर उनके लिए कुछ बनाएंगी तो इससे आपकी डेट एक यादगार पल में तब्दील हो जाएगी। तो चलिए आपको इस डिश के बारे में बताते हैं। आप अपनी वैलेंटाइन डेट को स्पेशल बनाने के लिए घर पर ही हार्ट शेप पिज्जा बना सकती हैं। इसको बनाने के लिए आपको ज्यादा मेहनत भी नहीं करनी पड़ेगी।

बनाने की सामग्री

पिज्जा बेस-2
पिज्जा सॉस-3 चम्मच
चीज-2 चम्मच
शिमला मिर्च-1 कटी हुई
टमाटर-1 कटा हुआ
ऑरिगेनो-1/2 चम्मच
चिली फ्लेक्स- 1/2 चम्मच

बनाने की विधि

सबसे पहले आप एक रेडीमेड पिज्जा ले लें। अब इस बेस को शेप कटर की मदद से दिल के आकार में काट लें। अब पिज्जा के पूरे बेस पर टोमेटो कैचअप को अच्छी तरह से फैला दें। इस के बाद अब बारीक कटा प्याज और टमाटर उसके ऊपर डालें। आप पिज्जा में अपनी पसंद की अन्य सब्जियां जैसे शिमला मिर्च, स्वीट कॉर्न, बेबी कॉर्न आदि डाल सकती हैं। इस दौरान इस बात का ध्यान रखें कि वो सामान अपने पिज्जा में वो सामान ना डालें जो आपके पार्टनर को पसंद ना हो। सबसे अंत में सबसे ऊपर कद्दूकस किया मोजारेला चीज डालें। 20 मिनट तक इस पिज्जा को ओवन में पकाएं। आप चाहें तो इसे ऑरिगेनो से भी गार्निश कर सकती हैं।

चॉकलेट पुडिंग

विधि

असल में वैलेंटाइन डे सिर्फ अपने पार्टनर को स्पेशल फील कराने का दिन नहीं है। इस दिन आप उन सभी को खास महसूस करा सकते हो, जो आपकी लाइफ में अहमियत रखते हैं। इससे आपके रिश्ते और ज्यादा मजबूत बनते हैं। आप भी अगर ऐसा कुछ करने का प्लान कर रहीं हैं तो अपनी फैमिली को उनके खास होने का एहसास कराने के लिए आप अपने घर पर ही चॉकलेट डे सेलिब्रेट कर सकती हैं। इस चॉकलेट डे पर अपने करीबियों को सिर्फ चॉकलेट खिलाने की बजाए आप उनके लिए चॉकलेट पुडिंग भी बना सकती हैं। जिसे खाकर आपके घर वाले भी आपकी कुकिंग के एक बार फिर से फैन हो जाएंगे। चॉकलेट पुडिंग बनाने के लिए सबसे पहले एक बड़े बाउल में एक कप दूध डालें। अब इसमें 2 टेबल स्पून कोको पाउडर और 2 टेबल स्पून कॉर्न फ्लोर को मिला दें। इन सभी सामानों को अच्छे से मिला लें। अब इसमें कस्टर्ड पाउडर या फिर कॉर्न फ्लोर डालें। अब इसे तब तक फेंटे जब तक ये अच्छे से मिल ना जाए। अब एक कड़ाही में आधा कप दूध डाल दें। इसमें पहले से तैयार किया हुआ मिक्चर भी डाल दें और हल्की आंच पर चलाते रहें। अब इसमें 1/4 कप चीनी डाल दें। इसके बाद इसमें क्रीम डालकर इसे तब तक चलाएं जब तक इसमें चिकनापन ना आ जाए। अब इसमें चॉकलेट चिप डाल दें और अच्छे से मिक्स करें। जब चॉकलेट चिप अच्छे से पिघल जाए तो इसे गैस फ्लेम को धीमा कर दें। अब इसे तब तक पकने दें जब तक मिक्चर गाढ़ा होकर शाइन ना करने लगे। गैस बंद करके इसमें वनिला एसेंस डालें और हल्का का नमक डाल कर अच्छे से मिला कर कप में डाल दें। अब बस इसे फ्रिज में कम से कम 2 घंटे के लिए रख दें। आपकी पुडिंग तैयार हो गई। लास्ट में इस चॉकलेट पुडिंग को चोको चिप से गार्निश करें।

सामग्री

दूध-डेढ़ कप, कोको पाउडर-2 टेबल स्पून, चीनी-1/4 कप कॉर्न फ्लोर-1/4 कप, क्रीम-1/2 कप, चॉकलेट चिप-1/2 कप, वेनिला अर्क-1 टी स्पून, नमक-1/4 टी स्पून

हंसना मना है

संता जब भी कपड़े धोता, तब ही बारिश हो जाती। एक दिन धूप निकली तो वो खुश हुआ और दुकान पे सर्फ लेने गया। वो जैसे ही दुकान पर गया बादल जोर-जोर से गरजने लगे। संता फटाफट आसमान की तरफ मुंह करके बोला... क्या? किधर? मैं तो बिस्कुट लेने आया था।

बैंक के बाहर भीड़ लगी थी। एक आदमी बार-बार आगे जाने की कोशिश करता और लोग उसे पकड़ कर पीछे खींच लेते। 5-6 बार पीछे खींचे जाने के बाद वह चिल्लाया - 'लगे रहो लाइन में, मैं आज बैंक ही नहीं खोलूंगा!

बेटा- पिता जी, आप बहुत किस्मत वाले हैं? पिता जी- वो कैसे बेटा? बेटा- क्योंकि मैं फेल हो गया हूं, आपको मेरे लिए नई किताबें नहीं खरीदनी पड़ेंगी।

कहानी | भेड़िया और बकरी के सात बच्चे

एक जंगल में डंपी नाम की बूढ़ी बकरी रहती थी, जिसके सात बच्चे थे। बकरी रोजाना बाहर से बच्चों के लिए खाना लेकर आती थी। जंगल में एक भेड़िया भी रहता था, जिसकी नजर बकरी के बच्चों पर थी। इसलिए बकरी बच्चों को जंगली जानवरों से बचाने के तरीके बताती रहती थी। एक दिन बकरी को खाना लेने के लिए दूर जाना था। इसलिए उसके वापस आने तक घर का दरवाजा मत खोलना। बकरी के जाने के कुछ देर बाद ही भेड़िया वहां पहुंचा और दरवाजा खटखटाने लगा। बच्चों ने एक साथ पूछा कि कौन है। भेड़िया ने कहा कि बच्चों मैं तुम्हारी मां हूं। जवाब में बच्चों ने कहा कि हमारी मां की आवाज इतनी भारी नहीं है, तुम भेड़िया हो और हमें खाने आए हो। भेड़िया का पता था कि शहद चखने से आवाज अच्छी हो जाती है। वह शहद खाकर दोबारा बकरी के घर पहुंचा। इस बार मधुर आवाज सुनकर बच्चों ने सोचा कि शायद उनकी मां आ गई है। तभी उन्होंने भेड़िये के काले पैर देख लिए। सभी बच्चों ने चिल्लाते हुए कहा कि तुम हमारी मां नहीं हो सकती। हमारी मां के पैर गोरे हैं, लेकिन तुम्हारे काले। तुम भेड़िया हो। रास्ते में एक आटा चक्की दिखी और उसने आटे को अपने पैरों पर लगा लिया। फिर भेड़िया ने आवाज बदलकर दरवाजा खोलने के लिए कहा। इस बार आवाज भी मां के जैसी थी और पैर भी सफेद थे। तभी बकरी का सबसे छोटा बच्चा बोला, यह मां नहीं है, लेकिन किसी ने उसकी बात नहीं सुनी और दरवाजा खोल दिया। दरवाजा खोलते ही उन्होंने देखा कि दरवाजे पर मां नहीं, बल्कि भेड़िया है। भेड़िया ने छह बच्चों को पकड़कर थैले में भर लिया। भेड़िया अपनी गुफा की ओर जाने लगा। कुछ देर बाद बूढ़ी बकरी डंपी अपने घर पहुंची घर में छुपा हुआ एक बच्चा निकला और पूरी बात बता दी। बकरी को गुस्सा आया और वो भेड़िया को सबक सिखाने के लिए उसकी गुफा की ओर चल पड़ी। उधर, बच्चों को उठाकर ले जा रहा भेड़िया चलते-चलते थक कर रास्ते में एक पेड़ के नीचे आराम करने के लिए बैठ गया। उसे नींद आ गई। तभी बकरी भी वहां पहुंच गई। उसने चुपके से अपने बच्चों से भरा थैला खोलकर सभी को बाहर निकाल लिया। फिर डंपी ने फटाफट बच्चों की मदद से थैले में पत्थर भर दिए और सभी पास की झाड़ियों में छुप गए। कुछ देर बाद भेड़िया उठा और थैला लेकर गुफा की ओर चलने लगा। उसे इस बार थैला थोड़ा भारी लगा, लेकिन उसने इस बात पर ध्यान नहीं दिया। चलते-चलते रास्ते में एक नदी मिली, जिसे पार करके उसे अपनी गुफा में पहुंचना था। जैसे ही वह नदी में पत्थरों से भरा थैला लेकर गया, तो वह नदी में डूबने लगा। यह देखकर बकरी और उसके बच्चे खुशी-खुशी अपने घर चले गए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष व्यवसाय ठीक चलेगा। पुराने मित्र व संबंधियों से मुलाकात होगी। व्यय होगा। प्रसन्नता रहेगी। व्यापार में नए अनुबंध लाभकारी रहेंगे। परिश्रम का अनुकूल फल मिलेगा।

वृषभ यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। रोजगार मिलेगा। धर्म के कार्यों में रुचि आपके मनोबल को ऊंचा करेगी। अप्रत्याशित लाभ संभव है। जोखिम न लें।

मिथुन विवाद से क्लेश होगा। फालतू खर्च होगा। पुराना रोग परेशान कर सकता है। जोखिम न लें। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। दांपत्य जीवन अच्छा रहेगा।

कर्क बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। जोखिम न उठाएं। आज का दिन आपके लिए शुभ रहने की संभावना है।

सिंह मेहनत का फल मिलेगा। योजना फलीभूत होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कर्ज से दूर रहना चाहिए। खर्च में कमी होगी। कई दिनों से रुका पैसा मिल सकेगा।

कन्या चोट व रोग से बचें। कानूनी अड़चन दूर होगी। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। क्रय-विक्रय के कार्यों में लाभ होगा। योजनाएं बनेंगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

तुला कुसंगति से हानि होगी। वाहन मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें, जोखिम न लें। व्यापारिक लाभ होगा। संतान के प्रति झुकाव बढ़ेगा।

वृश्चिक राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। जायदाद संबंधी समस्या सुलझने के आसार बनेंगे।

धनु संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। धैर्य एवं शांति से वाद-विवादों से निपट सकेंगे। दुस्साहस न करें।

मकर किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। लाभ होगा। धन संचय की बात बनेगी। परिवार के कार्यों पर ध्यान देना जरूरी है।

कुम्भ बुरी खबर मिल सकती है। दौड़धूप अधिक होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। थकान रहेगी। व्यापार-व्यवसाय संतोषप्रद रहेगा। आपसी संबंधों को महत्व दें।

मीन मेहनत का फल कम मिलेगा। कार्य की प्रशंसा होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। प्रसन्नता रहेगी। संतान की शिक्षा की चिंता समाप्त होगी। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

हादसे की वजह टेक्नोलॉजी नहीं मनोवैज्ञानिक कमी : सुनीता

गाजियाबाद में 12, 14 और 16 साल की तीन बहनों की दर्दनाक मौत ने पूरे देश को हिला दिया है। ऑनलाइन गेम, विदेशी पॉप कल्चर और डिजिटल लत पर फिर बहस तेज हो गई है, लेकिन पंचायत फेम एक्ट्रेस सुनीता राजवार इस मामले को एक अलग नजरिए से देखती हैं। अभिनेत्री ने कहा कि असली समस्या मोबाइल या इंटरनेट नहीं, बल्कि भारत में बच्चों के मनोविज्ञान और मानसिक समझ की कमी है। आज बच्चे मोबाइल पर दुनियाभर का कंटेंट देखते हैं। विदेशी संस्कृति और ऑनलाइन ट्रेंड उनका ध्यान तेजी से खींच लेते हैं। कई बार वे ऐसे वीडियो या खेल भी देख लेते हैं, जो उनकी उम्र के लिए सही नहीं होते, लेकिन उन्हें वह सब अच्छा लगता है। समस्या विदेशी कंटेंट नहीं, बल्कि यह है कि उन्हें कोई नहीं बताता कि क्या सही है और क्या नहीं। अगर बच्चों को सही दिशा और भावनात्मक सहारा मिले, तो ऐसा कंटेंट उन्हें भटकाने की ताकत नहीं रखता। आज मोबाइल बच्चों के लिए जरुरत भी बन चुका है। कोविड के बाद से स्कूल का काम भी फोन पर होने लगा है। इसलिए माता-पिता चाहकर भी फोन नहीं हटा सकते। कई घरों में मां के पास फोन नहीं होता, लेकिन बच्चों के पास होता है, क्योंकि पढ़ाई उसी पर होती है। फोन को दोष देना आसान है, लेकिन असली कमी यह है कि हम बच्चों की डिजिटल आदतों और उनकी मानसिक जरूरतों को समझ ही नहीं पा रहे हैं। अगर सही मार्गदर्शन मिले, तो मोबाइल भी उनके लिए सुरक्षित हो सकता है। हमारे समय में बच्चे बाहर खेलते थे। पतंग उड़ाते थे, गिल्ली-डंडा खेलते थे। आज के बच्चों का बचपन मोबाइल में सिमट गया है। मोबाइल की दुनिया में कोई सीमा नहीं होती। फोन को नहीं पता कि उसे दस साल का बच्चा चला रहा है या चालीस साल का आदमी। जो भी लिखोगे, वह तुरंत सामने आ जाएगा।

सूबेदार में आर्मी आफीसर बन दुश्मनों से निपटेंगे अनिल कपूर

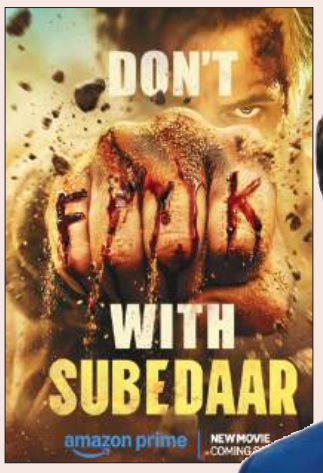

सूबेदार फिल्म पिछले साल रिलीज होने वाली थी लेकिन पोस्ट-प्रोडक्शन का काम पूरा ना होने के चलते इसकी रिलीज डेट को आगे बढ़ा दिया गया। इस मूवी में अनिल कपूर और राधिका मदान लीड रोल में नजर आएंगे। यह एक एक्शन-थ्रिलर मूवी है। फिल्म का पहला पोस्टर और स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म की जानकारी मेकर्स ने शेयर की है।

फिल्म 'सूबेदार' के पोस्टर में अनिल कपूर स्वैग के साथ पंच मारते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस पोस्टर को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि फिल्म में ताबड़तोड़ एक्शन करेंगे। यह मूवी अमेजन प्राइम पर रिलीज होगी। हालांकि अभी इसकी रिलीज डेट सामने नहीं आई है, लेकिन जल्द ही यह फिल्म रिलीज हो सकती है।

इस फिल्म का निर्देशन सुरेश त्रिवेणी ने किया है। अनिल कपूर इस प्रोजेक्ट के को-प्रोड्यूसर भी हैं। मूवी में अनिल कपूर एक रिटायर्ड आर्मी ऑफिसर के रोल में नजर आएंगे। जो परिवार पर खतरा आने पर दुश्मनों से निपटने के लिए फिर से अपने पुराने अवतार में लौटता है। फिल्म में एक्शन के साथ एक इमोशनल एंगल भी है।

'सूबेदार' के अलावा अनिल कपूर कई प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हैं। पिछले साल फिल्म वॉर 2 में नजर आए थे। इस साल अल्फा और किंग फिल्म में भी नजर आएंगे। दोनों ही फिल्में इसी साल रिलीज होंगी। किंग फिल्म में अनिल कपूर के अलावा कई नामी एक्टर्स भी नजर आएंगे।

फिल्म भागम भाग 2 में अब गोविंदा की जगह नजर आयेंगे मनोज बाजपेयी

बॉलीवुड में इन दिनों पुरानी कल्ट फिल्मों के सीक्वल बनाने का सिलसिला लगातार जारी है। इसी क्रम में अब साल 2006 में आई कल्ट कॉमेडी फिल्म 'भागम भाग' का सीक्वल भी बनने जा रहा है। फिल्म को लेकर काफी दिनों से चर्चाएं चल रही हैं। लेकिन अब ऐसी खबरें आ रही हैं कि फिल्म इस साल फ्लोर पर आ जाएगी। इस बीच अब 'भागम भाग 2' को लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आ रही है। इसमें फिल्म की कास्ट को लेकर बड़ा दावा किया जा रहा है।

वैरायटी इंडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक, 'भागम भाग 2' की कास्ट में एक बड़ा बदलाव किया गया है। सीक्वल में जहां अक्षय कुमार और परेश रावल की वापसी हुई है। वहीं गोविंदा की जगह फिल्म में मनोज बाजपेयी नजर आ सकते हैं। वैरायटी इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म निर्माताओं ने मनोज बाजपेयी को कास्ट कर लिया है। मनोज बाजपेयी फिल्म में गोविंदा की जगह लेंगे। यह खबर हाल ही में सामने आई है। 'भागम भाग' में गोविंदा के किरदार को काफी पसंद किया गया था। उनकी कॉमिक टाइमिंग वैसे भी काफी पसंद की जाती है। ऐसे में अब गोविंदा की जगह मनोज बाजपेयी को लेना, कितना कारगर रहेगा ये तो फिल्म रिलीज के बाद ही पता चलेगा। फिलहाल अभी तक मेकर्स की ओर से 'भागम भाग 2' की कास्ट को लेकर कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

फिल्म को लेकर अभी तक आ रहीं खबरों के मुताबिक, सीक्वल का निर्देशन राज शांडिल्य करेंगे और इसकी कहानी भी पहचान को लेकर होने वाली गलतफहमी पर आधारित होगी। जबकि 'भागम भाग' का निर्देशन प्रियदर्शन ने किया था। फिल्म में मीनाक्षी चौधरी अक्षय कुमार के साथ मुख्य अभिनेत्री के रूप में नजर आएंगी। जबकि मनोज बाजपेयी के अपोजिट नजर आने वाली हीरोइन की तलाश अभी जारी है। हालांकि, अभी तक इस बारे में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। फिल्म की शूटिंग अगले महीने से मुंबई में शुरू होने की खबरें हैं।

अजब-गजब | कभी अमीरों का टूरिस्ट डेस्टिनेशन था ये शहर

40 सालों से वीरान है ये शहर, 24 घंटे रहता है आर्मी का पहरा

दुनिया में ऐसी कई जगहें हैं जहां दूर-दूर से लोग घूमने जाते हैं और वहां का आनंद उठाते हैं। पर सोचिए कि अगर ऐसा कोई टूरिस्ट डेस्टिनेशन अचानक से वीरान हो जाए और उसे लोग भुतहा शहर कहने लगें तो क्या होगा? ऐसा ही एक शहर सिप्रस में मौजूद है। एक वक्त ऐसा था जब इस शहर का एक इलाका इतना फेमस था कि यहां सेलिब्रिटी और आम लोग घूमने जाया करते थे। पर 40 सालों से शहर वीरान है। सवाल ये उठता है कि आखिर यहां से लोग कहां चले गए?

डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार वरोशा, सिप्रस के तट पर एक शांत शहर है, जिसका नाम फामागुस्ता है। इस शहर में एक इलाका है, जिसे वारोशा कहते हैं। ये इलाका बहुत फेमस टूरिस्ट डेस्टिनेशन था। कई अमीर और बड़े सेलिब्रिटी यहां पर छुट्टियां मनाने आ चुके हैं। यहां कई बड़े होटल, स्टाइलिश रेस्टोरेंट, और भीड़भाड़ वाली सड़कें थीं। लोग तो इसे सिप्रस का फ्रेंच रिवेरिया कहा करते थे। पर अब ये इलाका पूरी तरह खाली है। इस वजह से इसे घोस्ट टाउन कहा जाता है। यहां पर न टूरिस्ट आते हैं न ही कोई रहता है। सड़कें शांत हैं, इमारतें टूट चुकी हैं, होटल-दुकानें भी तहस-नहस हो चुकी हैं। टूरिस्ट्स को इस इलाके में

जाने से रोका जाता है। अब सवाल ये उठता है कि आखिर इस शहर का ये हाल कैसे हो गया? दरअसल, वरोशा का डाउनफॉल 1974 से शुरू हो गया था। दरअसल, 1974 में सिप्रेस में ग्रीस के द्वारा प्रायोजित हिंसा हुई जिसकी वजह से वहां तख्तापलट हो गया। उसी समय तुर्की ने सिप्रस पर कब्जा कर लिया। फैमागुस्ता शहर इस हिंसा के मध्य में ता। जैसे ही तुर्की के जवान देश में घुसे, ग्रीस और सिप्रेस के नागरिकों ने वरोशा को छोड़ दिया और जान बचाकर भाग निकले। लोगों ने सब कुछ पीछे छोड़ दिया। बर्तनों में खाने पड़े थे, शादी के तोहफे खुले नहीं थे, बच्चों के खिलौने जमीन पर ही पड़े हुए थे। कई परिवारों को लगा था कि वो लौटकर आएंगे, मगर वो नहीं लौट सके।

कब्जे के बाद तुर्की की आर्मी ने पूरे इलाके को बंद कर दिया। कटीले तार लगा दिए गए और वरोशा के चारों ओर सैनिक तैनात कर दिए गये। किसी को भी अंदर जाने की अनुमति नहीं थी। धीरे-धीरे प्रकृति ने अपना रूप दिखाया और शहर में पेड़-पौधे उग गए, दीवारों पर काई जम गई और शहर ऐसा दिखने लगा जैसे समय में रुक गया हो। 40 साल बाद भी वरोशा पूरी तरह खाली है। शहरों में अभी भी वॉर्निंग साइन लगे दिख जाते हैं, जो कहते हैं, अंदर जाना मना है या फिर फोटो खींचना मना है। हालांकि, 2003 के बाद कुछ पूर्व नागरिकों को शहर के कुछ हिस्सों में घुसने की अनुमति दे दी गई थी। उन्हें तब वहां जो दिखा, वो ज्यादा ही हैरान करने वाला था। पुरानी कारें शोरूम के अंदर मौजूद थीं, दुकानों की कांच की खिड़कियां टूटी हुई थीं। होटल डैमेज हो चुके थे, खाली कमरे थे। अब वरोशा के बीच पर कछुए अंडा देते हैं। होटल की बालनियों पर पौधे उगे रहते हैं। यूनाइटेड नेशन्स का कहना है कि सिर्फ असली नागरिक ही वहां रह सकते हैं। आगे यहां का क्या अंजाम होगा, ये वक्त ही बताएगा।

दुनिया का सबसे खतरनाक स्पा! दूध में मिर्ची मिला नहा रहे हैं लोग

स्पा का नाम सुनते ही मन में रिलैक्सेशन की तस्वीर उभरती है। पहले के समय में स्पा लग्जरी अनुभव में गिना जाता था। लेकिन अब तो भारत में ही हर गली-मोहल्ले में स्पा सेंटर्स देखने को मिलते हैं। लेकिन इन दिनों चीन का एक अनोखा स्पा सोशल मीडिया पर छाया गया है। चीन के हरबिन शहर में एक ऐसा स्पा है जो रिलैक्सेशन से ज्यादा सनसनी देता है। मैपल लीफ विलेज हॉट स्प्रिंग रिजॉर्ट में 'हॉटपॉट स्पा' नाम का अनोखा स्पा ट्रेंड तेजी से वायरल हो रहा है। यहां लोग दूध में मिर्ची, जलपीनो और अन्य सब्जियां मिलाकर नहा रहे हैं। सोशल मीडिया पर ट्रेवल व्लॉगर जॉर्डन एग्बर्ट ने वीडियो शेयर किया, जिसमें स्पा यिन-यांग (ताइजीतु) शेप में बना दिख रहा है। इसमें एक तरफ लाल पानी में असली जलपीनो और मिर्चियां तैर रही हैं, दूसरी तरफ दूधिया पानी में लाल खजूर, गोजी बेरीज और अन्य सब्जियां नजर आया। लोग दोनों तरफ डुबकी लगाते नजर आए। जॉर्डन ने लिखा, यह सबसे क्रेजी चीज है जो मैंने देखी। एक तरफ मिर्ची से भरा लाल पानी, दूसरी तरफ दूधिया और सब्जियों वाला और यह सिर्फ एक स्पा है, यहां कई ऐसे हैं। ट्रेंड के पीछे का दावा है कि मिर्ची वाला हिस्सा ब्लड सर्कुलेशन बढ़ाता है और त्वचा को ग्लो देता है, जबकि दूधिया हिस्सा त्वचा को मुलायम और नरम बनाता है। लेकिन मिर्ची से जलन, लालिमा और तेज दर्द का खतरा भी है। कई लोगों ने कहा कि यह स्पा नहीं सजा है। सोशल मीडिया पर वीडियो देखकर लोग हैरान हैं। इसपर कई लोगों ने कमेंट्स में लिखा है। यह क्या पागलपन है?, मिर्ची में नहाना? नहीं भाई!, चीन में कुछ भी हो जाता है। कुछ ने इसे ट्राई करने की इच्छा जताई, तो कुछ ने स्वास्थ्य के लिए खतरनाक बताया। हरबिन को चाइना का आइस सिटी कहा जाता है, जहां सर्दियां बहुत ठंडी होती है। ऐसे में हॉट स्प्रिंग्स और स्पा यहां की बड़ी टूरिस्ट अट्रैक्शन है। हॉटपॉट स्पा इसकी नई वैरायटी है, जहां पारंपरिक चाइनीज हॉटपॉट (मसालेदार सूप) को स्पा में बदल दिया गया है।

दिल्ली में हादसा नहीं हत्या की गई थी : केजरीवाल

गड्ढे में गिरकर युवक की मौत पर बवाल जारी

» भाजपा सरकार पर बरसी आप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली के जनकपुरी इलाके में एक दर्दनाक हादसा सामने आया है, जहां पीडब्ल्यूडी की सड़क पर दिल्ली जल बोर्ड द्वारा खोदे गए गड्ढे में गिरकर एक 25 साल के युवक की मौत हो गई। इस दर्दनाक घटना ने दिल्ली की राजनीति में उबाल ला दिया है।

आम आदमी पार्टी (आप) ने इसके लिए सीधे तौर पर बीजेपी सरकार और प्रशासन की घोर लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया है। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने इस घटना पर गहरा दुख जताते हुए इसे सरकारी हत्या करार दिया है। उन्होंने कहा, राजधानी की सड़कों पर गड्ढे में गिरकर जान जाना हादसा नहीं, बल्कि हत्या है। बीजेपी सरकारों ने नोएडा की पिछली घटना से कुछ नहीं सीखा। इस गैर-जिम्मेदाराना रवैये का खामियाजा जनता अपनी जान देकर भुगत रही है। यह घटना दिल्ली में बुनियादी ढांचे के रखरखाव और आपातकालीन सेवाओं की तत्परता पर बड़े सवाल खड़े करती है। आप ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से अपील की है कि वे इस मामले में हस्तक्षेप करें और दोषियों पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करें।

किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा: आशीष

मंत्री आशीष सूद ने कहा कि इस घटना के लिए जिम्मेदार सभी अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया गया है। पुलिस ने भी एफआईआर दर्ज कर ली है और जांच जारी है। किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी विभागों के साथ संयुक्त निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। इन निर्देशों के अनुसार सड़क को सुचारू रूप से संचालित कराया जाएगा, ताकी लोगों को कम से कम असुविधा हो। इसी उद्देश्य से हम घटनास्थल पर पहुंचे हैं। दोषी अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है। मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और जांच के आधार पर जो भी दोषी पाया जाएगा, उसे बख्शा नहीं जाएगा। इस घटना से हम भी आहत हैं। इसमें सुधार के लिए स्वयं मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता निगरानी कर रही हैं।

मंत्री सूद लीपापोती कर रहे : सौरभ भारद्वाज

दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने घटना का विस्तृत ब्यौरा साझा किया। उन्होंने बताया कि मृतक युवक, कमल (25), रोहिणी स्थित एक कॉल सेंटर में काम करता था. गुरुवार रात काम से लौटते समय वह जनकपुरी में एक खुले गड्ढे में गिर गया और पूरी रात वहीं तड़पता रहा। सौरभ भारद्वाज ने क्षेत्रीय मंत्री आशीष सूद पर लीपापोती करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मंत्री दावा कर रहे हैं कि सुरक्षा के पूरे इंतजाम थे, जबकि चश्मदीदों के मुताबिक बैरिकेडिंग और पर्दे शुक्रवार सुबह पुलिस के आने के बाद लगाए गए. उन्होंने मांग की कि पुलिस उस इलाके की सीसीटीवी फुटेज सार्वजनिक करे ताकि सच सामने आ सके कि गड्ढे के पास कोई चेतावनी बोर्ड था या नहीं।

बांग्लादेश मुद्दे पर जदयू ने अपनी सरकार को घेरा

» संसद में हिंदुओं को लेकर पूछा तीखा सवाल, सरकार दबाव में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र के दौरान लोकसभा में जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के सांसदों ने केंद्र सरकार से भारत और बांग्लादेश के बीच द्विपक्षीय संबंधों को लेकर सवाल किया। जनता दल यूनाइटेड के लोकसभा सांसद गिरिधारी यादव, दिनेश चंद्र यादव और रामप्रीत मंडल ने विदेश मंत्री से पूछा कि क्या भारत और बांग्लादेश के बीच द्विपक्षीय संबंध वर्तमान में एक संवेदनशील दौर से गुजर रहे हैं।

अगर हां, तो इसके विवरण क्या है? इसके साथ, क्या पाकिस्तान इस स्थिति का लाभ उठाने की कोशिश कर रहा है, जो देश के लिए हानिकारक हो सकता है, यदि हां, तो इसके विवरण क्या है? इसके अलावा, क्या सरकार ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यक नागरिकों, विशेषकर हिंदुओं की सार्वजनिक हत्याओं की खबरों के संबंध में बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के साथ कोई चर्चा की है और अगर हां तो इसके विवरण क्या हैं? सवाल का जवाब देते हुए विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने बताया कि भारत और बांग्लादेश, पड़ोसी देशों के रूप में, गहरे ऐतिहासिक, भौगोलिक, सांस्कृतिक, भाषाई और सामाजिक संबंध साझा करते हैं। हमारे द्विपक्षीय संबंध लोगों के विकास पर केंद्रित हैं. दोनों देशों के बीच संस्थागत द्विपक्षीय तंत्र के तहत कई आदान-प्रदान और बैठकें जारी है। एक लोकतांत्रिक, स्थिर, शांतिपूर्ण, प्रगतिशील और समावेशी बांग्लादेश के लिए भारत का समर्थन सभी प्रासंगिक संवादों में अंतरिम सरकार को सूचित किया गया है।

भारत ने छठी बार जीता अंडर -19 विश्व कप का खिताब

» वैभव सूर्यवंशी बने मैन ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हरारे। वैभव सूर्यवंशी की तूफानी और ऐतिहासिक पारी के दम पर भारत ने आईसीसी अंडर-19 विश्व कप 2026 का खिताब जीत लिया। फाइनल मुकाबले में भारत ने इंग्लैंड को 100 रनों से हराकर रिकॉर्ड छठी बार कप अपने नाम किया। भारत की इस बड़ी जीत के नायक रहे 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी, जिन्होंने महज 80 गेंदों पर विस्फोटक 175 रन ठोककर अंडर-19 स्तर पर अब तक की सबसे यादगार पारियों में से एक खेली। उनकी इस पारी में चौकों-छक्कों की बरसात देखने को मिली और कई रिकॉर्ड टूट गए।

सूर्यवंशी ने महज 80 गेंदों में ठोके 175 रन

टॉस के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत की शुरुआत हालांकि अच्छी नहीं रही और सेमीफाइनल के हीरो एरॉन जॉर्ज जल्दी आउट हो गए। लेकिन इसके बाद जो हुआ, उसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। शुरुआत में संयम से खेल रहे वैभव सूर्यवंशी ने जेम्स मिंटो के एक ओवर में 18 रन बटोरते ही गियर बदल दिया। दूसरे छोर पर आयुष म्हात्रे (53) ने भी आक्रामक रुख अपनाया। वैभव ने सिर्फ 32 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया और फिर इंग्लिश गेंदबाजों पर कहर बनकर टूट पड़े। 20 ओवर के भीतर शतक पूरा करने के बाद सूर्यवंशी रुके नहीं और देखते ही देखते 150 के पार पहुंच गए। अर्धशतक से शतक और फिर डेढ़ सौ—सब कुछ बेहद तेजी से हुआ। 25 ओवर में भारत का स्कोर 250 पहुंच चुका था। हालांकि अगले ओवर में वैभव 175 रन बनाकर आउट हो गए, लेकिन तब तक इंग्लैंड पूरी तरह बैकफुट पर जा चुका था।

सूर्यवंशी की जादुई विस्फोटक बल्लेबाजी को शब्दों में बयां करना मुश्किल है : आयुष

भारतीय कप्तान आयुष म्हात्रे ने कहा कि अंडर-19 टीम रोहित शर्मा और हरमनप्रीत कौर जैसे खिलाड़ियों की विरासत को आगे बढ़ाना चाहती थी। रोहित ने 2024 में भारत को टी20 विश्वकप दिलाया था जबकि हरमनप्रीत की कप्तानी में भारतीय महिला टीम ने पिछले साल अपना पहला विश्वकप जीता था। म्हात्रे ने कहा, मैं अपनी भावनाओं को शब्दों में बयां नहीं कर सकता, लेकिन यह हमारे लिए एक यादगार रात है। लड़कों ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने अपना स्वाभाविक खेल खेला, जिससे मैं बहुत खुश हूं। म्हात्रे ने सूर्यवंशी की शानदार पारी पर कहा कि इस युवा की जादुई विस्फोटक बल्लेबाजी को शब्दों में बयां करना मुश्किल है। उन्होंने कहा, हमारे पास उनकी पारी के लिए शब्द नहीं हैं। हमें पता था कि वह शानदार बल्लेबाज हैं और उन्होंने इस मैच में दिखा दिया कि वह क्या कर सकते हैं।

बंगाल के बजट पर भाजपा तिलमिलाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनावों की घोषणा से पहले राज्य सरकार के अंतरिम बजट पर राजनीति गरमा गई है। ममता सरकार ने अपना अंतरिम बजट पेश किया था। इसमें लक्ष्मी भंडार योजना की लाभार्थियों को मिलने वाली राशि में 500 रुपये बढ़ोतरी के साथ बेरोजगार युवाओं को हर महीने भत्ता देने का ऐलान किया था।

बजट घोषणाओं पर बीजेपी ने सवाल उठाए थे। बीजेपी नेता सुधांशु त्रिवेदी ने तुष्टिकरण का आरोप लगाया था। नेता विपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने लक्ष्मी भंडार योजना को लेकर घोषणा की कि अगर बीजेपी राज्य में सरकार बनाती है, तो वह इस योजना के तहत प्रति माह 3,000 रुपये देगी। जो मौजूदा रकम से काफी ज्यादा है।

महापौर ने चीफ इंजीनियर को लगाई कड़ी फटकार

» बोलीं- तुम्हारे खिलाफ शासन को लिखूंगी पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम मुख्यालय के निर्माण कार्य में हो रही देरी पर महापौर सुषमा खर्कवाल ने कड़ा रुख अपनाते हुए स्पष्ट चेतावनी दी कि लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। महापौर ने गोमती नगर स्थित नगर निगम वर्कशॉप (आरआर) परिसर में निर्माणाधीन नवीन मुख्यालय भवन का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान निर्माण कार्य में बाधा बने पेट्रोल पंप को अब तक स्थानांतरित न किए जाने पर उन्होंने चीफ इंजीनियर आरआर मनोज प्रभात को कड़ी फटकार लगाई और चेतावनी दी कि आवश्यकता पड़ी तो उनके खिलाफ शासन को पत्र लिखा जाएगा।

इस दौरान नगर आयुक्त गौरव कुमार भी मौजूद रहे। महापौर ने अधिकारियों से निर्माण कार्य की प्रगति की जानकारी लेते हुए नाराजगी जताई कि लगभग डेढ़ वर्ष पूर्व ही वर्कशॉप और पेट्रोल पंप को स्थानांतरित करने के निर्देश दिए जा चुके थे, इसके बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। वहीं तत्कालीन नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह ने भी कई बार इस संबंध में आदेश जारी किए थे, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों ने गंभीरता नहीं दिखाई।

खोदकर गाड़ दूंगा, विधायक की धमकी से दहशत

» अवैध कब्जा हटाने पहुंची नगर निगम टीम को विधायक बेदी राम ने फोन पर दी धमकी

» सरकारी जमीन खाली कराने गई टीम को घेरा, परिवार के लोगों पर बदसलूकी का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी के भरवारा क्षेत्र में सरकारी जमीन से अवैध कब्जा हटाने पहुंची नगर निगम की टीम को उस वक्त भारी विरोध और धमकियों का सामना करना पड़ा, जब सुभासपा के विधायक बेदी राम पर कब्जे के आरोपों के बीच कार्रवाई शुरू की गई। मौके पर मौजूद लेखपाल को विधायक द्वारा फोन पर न सिर्फ गालियां दी गईं, बल्कि खोदकर गाड़ देने तक की धमकी देने का गंभीर आरोप सामने आया है।

ईटीएफ फोर्स की वजह से बची जान : लेखपाल

लेखपाल ने कहा, अगर नगर निगम की ईटीएफ फोर्स साथ न होती तो शायद हम लोग बचकर नहीं निकल पाते। जिस तरह से हमें घेरा गया और धमकियां दी गईं, उससे साफ लग रहा था कि आज हम जिस जमीन को कब्जा मुक्त कराने आए हैं, उसी में हमें गाड़ दिया जाएगा। अब नौकरी भी ऐसी हो गई है कि लगता है जान हथेली पर लेकर काम करना पड़ रहा है।

इस घटना से नगर निगम कर्मियों में दहशत और आक्रोश फैल गया है। बताया जा रहा है कि यह जमीन सीवर लाइन के रास्ते में आती है, जिससे क्षेत्र में जलभराव और सीवर की समस्या लगातार बनी हुई है। कार्रवाई शुरू होते ही माहौल तनावपूर्ण हो गया। आरोप है कि पहले विधायक के भतीजे मौके पर पहुंचे और नगर निगम कर्मियों से तीखी नोकझोंक करते हुए उन्हें डराने-धमकाने की कोशिश की। इसके बाद विधायक के बेटे के पहुंचने पर स्थिति और बिगड़ गई और कर्मचारियों के साथ अभद्र व्यवहार किया गया। लेखपाल सुभाष कौशल के अनुसार, मौके पर विधायक को फोन लगाया गया और स्पीकर ऑन कर दिया गया। विधायक ने सरकारी कर्मचारियों को खुलेआम गालियां दीं और धमकी देते हुए कहा कि खोदकर गाड़ दूंगा। लेखपाल ने बताया कि विधायक के परिवार और समर्थकों ने टीम को चारों तरफ से घेर लिया था और हालात इतने भयावह हो गए थे कि जान बचाना मुश्किल लग रहा था।

पार्षद ममता रावत से भी अभद्रता

भरवारा क्षेत्र की पार्षद ममता रावत ने विधायक पर सीवर निर्माण कार्य को रोकने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि चक रोड के पास सीवर नाले का निर्माण होना है, लेकिन विधायक द्वारा लगातार बाधा डाली जा रही है, जिससे क्षेत्र में जलभराव की समस्या बनी हुई है। पार्षद ने यह भी आरोप लगाया कि विधायक ने उनके खिलाफ भी बेहद अभद्र भाषा का प्रयोग किया है। उन्होंने कहा, यह बेहद निंदनीय है। मैं जिलाधिकारी और महापौर को पत्र लिखकर विधायक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करूंगी।

अमरावती से उठी सियासी परछाई की जद में नया आकार

यूपी, बिहार के बाद पश्चिम बंगाल पर असर, एआईएमआईएम के एक वोट से बीजेपी का मेयर

जीत का अंतर इतना मामूली था कि उस एक वोट ने इतिहास लिख दिया

» परिणाम के बाद स्थानीय राजनीति में उबाल

» बीजेपी/एआईएमआईएम दोनों ने अलग-अलग तरीके से व्याख्याएं पेश कीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अमरावती में मेयर पद के लिए हुए चुनाव में आखिरी क्षण पर पड़ा एक वोट ने पूरे देश की सियासी तस्वीर के साथ औवसी की सियासी तकदीर को पलट कर रख दिया है। दरअसल जिसे स्वाभाविक विरोधी माना जाता रहा है उसी एआईएमआईएम के पार्षद मीरा कांबले के एक वोट ने ऐसा सियसी रायता फैला दिया है जिसे समेटने के लिए असदुदीन औवेसी को बहुत मेहनत करनी होगी। मीरा कांबले के वोट ने विपक्ष के उस नैरेटिव को प्रूफ के तौर पर साबित करने का काम कर दिया है।

कांग्रेस समेत सपा, राजद जैसी पार्टियां लबे समय से एआईएमआईएम को बीजेपी की बी टीम कहती चली आ रही है। ?अखिलेश यादव और तेजस्वी जैसे नेता तो खुले मंच से इस बात को कई बार कह चुके हैं। अब मीरा कांबले के इस क्रोस वोट के चलते अमरावती का मेयर पद सीधे बीजेपी के खाते में चला गया। अब बड़ा और अहम सवाल यही है कि यह सिर्फ़ एक स्थानीय गणित था या किसी बड़े पैटर्न की एक और कड़ी?

जश्न और सन्नाटा साथ—साथ

राजनीति में संयोग होते हैं पर संयोगों का सिलसिला जब बार-बार एक ही दिशा में मोड़ ले तो संदेह पैदा होता है। अमरावती में हुआ फैसला इसलिए असहज करता है क्योंकि यह उस धारणा से टकराता है जिसमें एआईएमआईएम को बीजेपी विरोधी मंच पर देखा जाता रहा। यही वजह है कि इस एक वोट ने जीत-हार से ज़्यादा विश्वास को चोट पहुंचाई है। और इस चोट का नतीजा अमरावती नगर निगम की सीढ़ियों पर जश्न और सन्नाटे के तौर पर सामने आया। अमरावती में जश्न और सन्नाटा एक साथ दोनों देखने को मिले।

सबूत के साथ परिणाम

आरोपों की फाइल नई नहीं है। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के मुस्लिम नेताओं से लेकर बिहार में राजद खेमे तक लंबे समय से आरोप लगा रहे हैं कि एआईएमआईएम की एंट्री जहां भी होती है वहां मुस्लिम वोटों का विभाजन होता है और उसका अप्रत्यक्ष लाभ बीजेपी को मिलता है। एआईएमआईएम इन आरोपों को खारिज करती है खुद को हाशिये की आवाज़ बताती है। लेकिन अमरावती ने बहस को फिर जगा दिया है कि इस बार सबूत के साथ परिणाम बोल रहा हैं। यह कहानी इसलिए भी डराती है क्योंकि यह खुली साजिश की नहीं सूक्ष्म राजनीति की कहानी है। जहां कोई धुआं नहीं दिखता पर आग की गर्मी हर चुनाव में महसूस होती है। एक वोट एक नगर और फिर वही बहस क्या यह स्थानीय विवेक था या किसी बड़े रणनीतिक नक्शे का छोटा सा निशान? अमरावती ने देश को आईना दिखाया हैऔर आईने में कई अनउत्तारित सवाल खड़े हैं।

विभाजन की राजनीति बनाम गठबंधन की मजबूरी

यूपी में सपा लंबे समय से यह तर्क देती आयी है कि एआईएमआईएम की सीमित लेकिन रणनीतिक एंट्री मुस्लिम वोटों को काटती है। खासतौर पर शहरी/अर्धशहरी सीटों पर इस का असर ज्यादा देखने को मिलता है। सपा के मुस्लिम नेता लगातार इस बात को दोहरा रहे है कि जब मुकाबला सीधा बीजेपी बनाम विपक्ष होता है तब तीसरा ध्रुव यानि कि एआईएमआईएम मार्जिन को निर्णायक बना देता है। जबकि एआईएमआईएम का जवाब साफ़ रहा है कि हम प्रतिनिधित्व चाहते हैं किसी के वोट नहीं काटते। अमरावति के रिजल्ट के बाद सपा जैसे राजनीतिक दलों के आरोपों में दम आयेगा और अमरावित का चुनावी रिजल्ट उसे उसके अरोपों को सिद्ध करने में मदद करेगा।

बंगाल में बीजेपी के खिलाफ सबसे मजबूत दीवार है टीएमसी

तृणमूल कांग्रेस का तर्क है कि वह ही बंगाल में बीजेपी के खिलाफ़ सबसे मज़बूत दीवार है और मुस्लिम वोटों का बिखराव उस दीवार में दरार डाल सकता है। कांग्रेस के लिए चिंता और गहरी है। क्योंकि पार्टी पहले ही सीमित राजनीतिक स्पेस में संघर्ष कर रही है। ऐसे में एआईएमआईएम की एंट्री कांग्रेस के बचे-खुचे जनाधार को और संकुचित कर सकती है। दूसरी ओर एआईएमआईएम का दावा है कि वह उन तबकों की आवाज़ बनना चाहती है जिन्हें बड़े दल सिर्फ़ चुनावी मौसम में याद करते हैं।

अमरावती की घटना ने बंगाल में बहस को और तीखा किया

अमरावती की घटना ने बंगाल में इस बहस को और तीखा कर दिया है कि क्या एआईएमआईएम की रणनीति अनजाने में बीजेपी को लाभ पहुंचा सकती है। यहां सवाल आरोप का नहीं परिणाम की आशंका का है। अगर कई सीटों पर त्रिकोणीय मुकाबला बना और मार्जिन छोटा रहा तो राजनीतिक फायदा किसे मिलेगा। यह सवाल अब केवल सियासी बहस नहीं बल्कि रणनीतिक गणना बन चुका है। बंगाल इसलिए भी खास है क्योंकि यहाँ चुनाव सिर्फ़ सत्ता परिवर्तन का नहीं, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति की दिशा तय करने का संकेतक माना जाता है। ऐसे में एआईएमआईएम की हर चाल, हर उम्मीदवार और हर सीट पर उसकी मौजूदगी को बड़े दल माइक्रोस्कोप के नीचे रखकर देख रहे हैं। अमरावती के बाद बंगाल वह अगला मंच बनता दिख रहा है, जहाँ एक-एक वोट की कीमत सत्ता के पूरे समीकरण को बदल सकती है।

भारत और अमेरिका के बीच हुए व्यापार समझौते पर फिर रार

» कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा राजनाथ ने समझौते की अंतरिम रूपरेखा की सराहना की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच हुए व्यापार समझौते की रूपरेखा जारी कर दी गई है। दोनों देशों ने अंतरिम व्यापार समझौते का ढांचा तय किया है और इस पर संयुक्त बयान जारी किया है, जिससे दोनों देशों के आर्थिक रिश्तों को नई दिशा मिलने की संभावना के तौर पर देखा जा रहा है। ऐसे में अब इस समझौते को लेकर जारी संयुक्त बयान पर सत्ता पक्ष, विपक्ष समेत कई एजेंसियों की प्रतिक्रि या सामने आई है। एक तरफ जहां रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इसे निर्यात का बड़ा अवसर बताया है।

वहीं दूसरी ओर कांग्रेस ने इसे अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की जीत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बड़ी हार बताया। आइए जानते हैं किसने क्या कहा? रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारत और अमेरिका के बीच हुए अंतरिम व्यापार समझौते की रूपरेखा की सराहना की है। उन्होंने कहा कि यह समझौता भारत के लिए कई बड़े फायदे लेकर आएगा। इससे निर्यात बढ़ेगा, मजदूर-आधारित उद्योग मजबूत होंगे और बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा होंगे। राजनाथ सिंह ने भरोसा दिलाया कि इस जयराम रमेश ने कहा कि पहली बात यह है कि भारत अब रूस से तेल नहीं खरीदेगा और अगर खरीदा तो अमेरिका 25 फीसदी टैरिफ (जुर्माना) लगा सकता है। दूसरी बात, भारत अमेरिका से आने वाले कृषि उत्पादों पर आयात शुल्क कम करेगा या खत्म करेगा। तीसरी बात, भारत का अमेरिका से आयात हर साल तीन गुना तक बढ़ सकता है। इससे भारत-अमेरिका व्यापार, जो अभी भारत के पक्ष में है, घाटे में जा सकता है। चौथी बात, इस समझौते में आईटी और सेवा क्षेत्र का कोई जिक्र नहीं है। पांचवीं और आखिरी बात यह है कि भारतीय उत्पादों पर निर्यात शुल्क बढ़ रहा है। जयराम रमेश ने कहा कि यह समझौता अमेरिका के हित में है और इसके असली असर तब साफ होंगे, जब इसके पूरे ब्योरे सामने आएंगे।

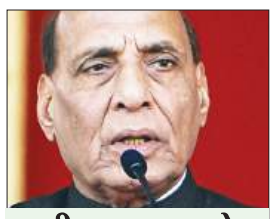

जीत गए नमस्ते ट्रंप : जयराम रमेश

भारत और अमेरिका के बीच हुए अंतरिम व्यापार समझौते को लेकर कांग्रेस ने कड़ी आपत्ति जताई है।

कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कहा कि यह समझौता अमेरिका के फायदे में है और इससे भारत को नुकसान हो सकता है। जयराम रमेश ने तंज कसते हुए कहा कि नमस्ते ट्रंप जीते, हाउडी मोदी हारे। उनका कहना है कि सरकार ने जो संयुक्त बयान जारी किया है, उसमें पूरी जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन जो बातें सामने आई हैं, उनसे पांच बातें साफ होती हैं।

पंजाब में आप नेता लक्की ओबेरॉय की हत्या मामले में मामला दर्ज

» गैंगस्टर जोगा फोलरीवाल भी शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जालंधर। पंजाब के जालंधर जिले में आम आदमी पार्टी नेता की दिनदहाड़े हत्या के मामले में गैंगस्टर जोगा फोलरीवाल सहित 2 लोगों पर केस दर्ज किया गया है। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि शुक्र वार को जालंधर मे आप नेता लकी ओबेरॉय की दिनदहाड़े हत्या के मामले में विदेश में रहने वाले एक गैंगस्टर समेत दो लोगों पर केस दर्ज किया गया है।

पुलिस को शक है कि हत्या के पीछे निजी दुश्मनी वजह हो सकती है। उन्होंने बताया कि पीड़ित परिवार की शिकायत के आधार पर, पुलिस ने गैंगस्टर जोगराज सिंह उर्फ जोगा फोलरीवाल, जिसने एक अनवेरिफाइड सोशल मीडिया पोस्ट में हत्या की जिम्मेदारी ली थी, और दलबीरा के खिलाफ जालंधर कमिश्नरेट के डिवीजन 6 पुलिस स्टेशन में बीएनएस और आर्म्स एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज किया है।

पप्पू यादव की गिरफ्तारी के बाद मचा बवाल

पटना से लेकर दिल्ली तक सवाल, विपक्ष के निशाने पर एनडीए सरकार, भाजपा-जदयू ने किया पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में सांसद पप्पू यादव की गिरफ्तारी के बाद पटना से लेकर दिल्ली तक बवाल मच गया है। जहां विपक्ष ने एनडीए सरकार पर तीखा हमला किया है वहीं भाजपा व जदयू ने इसका बचाव किया है। बता दें शुक्रवार देर रात बिहार की पूर्णिया सीट से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव को पटना स्थित उनके आवास से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने 31 साल पुराने मामले में धोखाधड़ी से मकान लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है. इस केस में उनकी ज़मानत याचिका ख़ारिज हो चुकी हैं। जिसके बाद ये कार्रवाई की गई है।

पप्पू यादव की गिरफ्तारी ने बिहार की सियासत में एक बार फिर तेज राजनीतिक बहस को जन्म दे दिया है। यह मामला अब सिर्फ कानून-व्यवस्था तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सत्ता और विपक्ष के बीच सियासी टकराव का मुद्दा बन चुका है। बीजेपी और जेडीयू जहां इस कार्रवाई को कानून और अदालत के आदेश का स्वाभाविक परिणाम बता रहे हैं। वहीं विपक्ष इसे राजनीतिक दबाव और बदले की कार्रवाई के तौर पर पेश कर रहा है।

बेटी के लिए न्याय की आवाज बनकर खड़े होने की सजा मिली : राहुल गांधी

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शनिवार को आरोप लगाया कि पटना के एक हॉस्टल में नीट की तैयारी कर रही एक छात्रा की मौत के मामले में न्याय की मांग करने के कारण पूर्णिया सांसद पप्पू यादव को गिरफ्तार किया गया है। एक पोस्ट में राहुल गांधी ने कहा कि पप्पू यादव की गिरफ्तारी राजनीतिक प्रतिशोध है, जिसका उद्देश्य इस मामले से जुड़ी आवाजों को दबाना है। उन्होंने कहा कि इस बेटी के लिए न्याय की आवाज बनकर खड़े रहे मेरे साथी सांसद पप्पू यादव जी। उनकी आज की गिरफ्तारी स्पष्ट रूप से राजनीतिक प्रतिशोध है, जिसका उद्देश्य जवाबदेही की मांग करने वाली हर आवाज को डराना और चुप कराना है। राहुल गांधी ने महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों पर चिंता व्यक्त की और सरकार की इस भयावह वास्तविकता पर आंखें मूंद लेने की प्रवृत्ति की आलोचना की। उन्होंने कहा कि सबसे चिंताजनक बात यह है कि यह घटना सिर्फ एक मामले तक सीमित नहीं लगती। यह एक भयावह साजिश और खतरनाक प्रवृत्ति की ओर इशारा करती है, जहां और भी बेटियां शिकार बन रही हैं और सत्ता में बैठे लोग इस भयावह वास्तविकता से आंखें मूंदकर बैठे हैं। यह राजनीति नहीं है; यह न्याय का सवाल है।

दमन और बदले की राजनीति कर रही नीतीश सरकार : चंद्रशेखर आजाद

नगीना सांसद ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए पप्पू यादव की गिरफ्तारी को लेकर नीतीश सरकार पर हमला किया. उन्होंने लिखा- रात के अंधेरे में पूर्णिया के लोकप्रिय सांसद पप्पू यादव की गिरफ्तारी, बिहार की एनडीए सरकार की डर, दमन और बदले की राजनीति का खुला ऐलान है। जो सत्ता जनता के सवालों से घबरा जाती है, वही सत्ता आधी रात को जननेताओं को निशाना बनाती है।

अदालत के फैसले का करना चाहिए सम्मान : नीरज

वहीं जेडीयू प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा कि अदालत के फैसले का सम्मान करना हर नागरिक की जिम्मेदारी है। पप्पू यादव न्यायालय के आदेश की अवहेलना कर रहे थे, इसलिए कार्रवाई जरूरी थी.। उन्होंने कहा कि हर मुद्दे को राजनीति से जोड़ना सही नहीं है।

आम आदमी हो या सांसद कानून सबके लिए बराबर : प्रभाकर

बीजेपी प्रवक्ता प्रभाकर मिश्रा ने कहा कि आम आदमी हो या सांसद, कानून सबके लिए बराबर है। जब भी पप्पू यादव के खिलाफ कानून कार्रवाई करता है, वह उसे राजनीति बताकर पीड़ित बनने की कोशिश करते हैं, उन्होंने आरोप लगाया कि इस बार पप्पू यादव शंभू गर्ल्स हॉस्टल को ढाल बनाकर बचने का प्रयास कर रहे हैं।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **विधि सलाहकार**: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा**
द्वारा **आस्था प्रिंटर्स**, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक- संजय शर्मा**